दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः- 336
मुरादाबाद
01 April 2025
(Sunday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री ने देशवासियों को दी ईद की बधाई, राजनाथ सिंह समेत इन दिग्गजों ने भी दीं शुभकामनाएं

हर तरफ छाया ईद का उल्लास... दुआ में उठे हाथ, गले मिल बोले-ईद मुबारक

देशभर में ईद का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। अलगअलग ईदगाहों में लोग नमाज पढ़ने जुटे। इस मौके पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति से लेकर प्रधानमंत्री तक सभी देशवासियों को ईद की बधाई दी।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत तमाम दिग्गज नेताओं ने देशवासियों को ईद का बधाई दी। सभी ने सोमवार को लोगों को ईद उलफितर की शुभकामनाएं दीं और कामना की कि यह त्योहार समाज में आशा, सद्भाव और दयालुता की भावना को बढ़ाए। ईदउलफितर रमजान के पाक महीने के समापन का प्रतीक है।राष्ट्रपति मुर्मू ने एज़्स पर लिखा, ईदउलफितर के मुबारक मौके पर सभी देशवासियों, विशेष रूप से मुस्लिम भाइयों और बहनों को बधाई। यह त्योहार भाईचारे की भावना को मजबूत बनाता है तथा करुणाभाव और दान की प्रवृज़ि को अपनाने का संदेश देता है। मैं कामना करती हूं कि यह पर्व सभी के जीवन में शांति, समृद्धि और खुशियां लेकर आए तथा सबके दिलों में नेकी के रास्ते पर आगे बढ़ने के जज्बे को मजबूत बनाए।उपराष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर लिखा, %ईदउलफितर पर मैं देश के सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई देता हूं। ईद हमें अपनी सांस्कृतिक विविधता और हमें एकजुट करने वाले साझा बंधनों से मिलने वाली शक्ति की याद दिलाती है। इस पवित्र दिन का सार केवल उत्सव मनाने से कहीं बढ़कर है। यह एकता, करुणा और आपसी सज़्मान के संवैधानिक आदर्शों का प्रतीक है, जो हमारे विविध लोकतंत्र की आधारशिला हैं। ईद की भावना हमें उन मूल्यों के प्रति खुद को फिर से प्रतिबद्ध करने के लिए प्रेरित करे, जो हमारे आगे के मार्ग को रोशन करते हैं और हमें एक उल्लेखनीय, लचीले राष्ट्र के रूप में बांधते हैं।% ईद के अवसर पर प्रदेश के अलग अलग जिलों में मुस्लिम समाज के लोगों ने नमाज पढ़ी और एक दूसरे को मुबारक बात दी। इस दौरान सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए।ईद का त्योहार पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। प्रदेश के अलगअलग जिलों में तय समय पर मुस्लिम समाज के लोगों ने नमाज पढ़ी और गले मिलकर एकदूसरे को बधाई दी। इस दौरान सुरक्षा के कड़े प्रबंध रहे और ड्रोन कैमरे से निगरानी की गई।लखनऊ में बड़ा इमामबाड़ा और ऐशबाग ईदगाह पर मुस्लिम समाज के लोगों ने एकत्र होकर नमाज पढ़ी। इस मौके पर उन्हें बधाई देने के लिए यूपी सरकार के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, पूर्व डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सहित कई नेता मौजूद रहे। अमेठी जिले में सोमवार को ईद उल फितर का त्योहार बड़े धूमधाम से मनाया गया। अल्लाह की बारगाह में लोगों ने सजदा किया। मुल्क में अमन चैन और तरक्की के लिए दुआ मांगी गई। नमाज के बाद लोगों ने एकदूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए थे। गौरीगंज सैंठा मार्ग व चौक बाजार स्थित मस्जिद के साथ शहर व ग्रामीण क्षेत्र स्थित सभी मस्जिदों में ईद की नमाज के लिए सुबह से नमाजियों का आना शुरू हो गया था। निर्धारित समय पर नमाज अदा की गई।अमेठी शहर स्थित जामा मस्जिद पर ईद उल फितर की नमाज अदा की गई। जामा मस्जिद के पेश इमाम मौलाना साजिद रजा खान ने तकरीर में कहा कि हमारे मुल्क की संस्कृति गंगा जमुनी है। इसके साथ ही लोगों का ईद मुबारक देने का सिलसिला शुरू हुआ। अन्य समुदाय के लोगों ने दी बधाई = शहर के नूरी मस्जिद, आमीना मस्जिद, मस्जिद अबू बकर, मस्जिद शेख साहब, मदीना मस्जिद सहित ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में स्थित अन्य सभी मस्जिदों पर ईद की नमाज अदा की गई। नमाज अदा करने के बाद मुस्लिम समुदाय के साथ ही अन्य समुदाय के लोगों ने एक दूसरे के गले मिलकर ईद की बधाई दी।ईद पर शहर समेत लालगंज, नसीराबाद, परशदेपुर, महराजगंज, बछरावां में इबादतगाहों में ईद की नमाज अदा की गई। इस मौके पर मुस्लिम समुदाय ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। लालगंज कस्बे की जामा मस्जिद, चिकमंडी स्थित ईदगाह, अल्लानगर मस्जिद सहित अन्य जगहों पर ईद की नमाज अदा की गई। शहर में डबल फाटक के पास स्थित बड़ी ईदगाह में नमाज अदा की गई। इस दौरान जगहजगह पुलिस बल तैनात रहा। शहर में कांग्रेस जिलाध्यक्ष, सपा जिलाध्यक्ष ने गले मिलकर मुस्लिम समुदाय को ईद की मुबारकबाद दी।अंबेडकरनगर जिले भर में ईदउलफितर का त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। 453 ईदगाह और मस्जिदों में शांति पूर्ण ढंग से ईद की नमाज अदा की गई। नमाजियों ने अमन चैन की दुआ मांगी। साथ ही एक दूसरे को गले लग कर ईद की बधाई दी। इस मौके पर डीएम अविनाश सिंह व एसपी केशव कुमार ने पुलिस बल के साथ कोतवाली अकबरपुर के रसूलाबाद हौज पट्टी मीरानपुर अकबरपुर ईदगाह व मुज़्य मार्गों/आवागमन के रास्तों पर भ्रमणशील रहकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही उपस्थित बच्चों को चॉकलेट देकर ईदउल फितर की शुभकामनाएं दीं। टांडा तहसील के अलहदादपुर में हजारों की संज़्या में लोगों ने एकजुट होकर अकीदत के साथ नमाज अदा की।बलरामपुर शहर के बीबी बंदी साहिबा ईदगाह में सोमवार को ईद की नमाज पढ़ी गई। इसके बाद लोगों ने एक दूसरे के गले मिलकर एक दूसरे को ईद की बधाई दी। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से पुलिस बल तैनात रहे।मेल मिलाप और सौहार्द का प्रतीक ईदउलफित्र (ईद) का त्योहार सोमवार को मनाया जा रहा है। शहर के गोंडा ईदगाह में ईद उल फित्र की नमाज इमाम मौलाना मुजक्किर हुसैन ने पढ़ाई । नमाज के बाद मुल्क में खुशहाली तरक्की और अमनो शांति के लिए दुआ मांगी गई। ईद की नमाज को लेकर सभी मस्जिदों में भी इंतजाम किया गया था। शहर के फैजाबाद रोड निदा ए या रसूलुल्लाह मस्जिद, कचहरी मस्जिद, शहर के महराजगंज रोड डिप्टी साहब मस्जिद, दरगाह हजरत सैय्यद सदरुद्दीन शाह स्थिति औलिया मस्जिद, रहमानिया मस्जिद में नमाज पढ़ी गई। इसके अलावा ग्रामीण और कस्बा क्षेत्रों के ईदगाहों और मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की गई। ईद को लेकर नगर पालिका की ओर से शहर में साफ सफाई कराई गई है। वहीं शांति पूर्ण माहौल में ईद मनाए जाने के लिए जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए हैं। सभी इबादतगाहों पर प्रशासनिक व पुलिस विभाग के राजपत्रित अधिकारियों के अलावा बड़ी संज़्या में पुलिस व पीएसी बल के जवानों को सुरक्षा और निगरानी में लगाया गया है।सीतापुर शहर के ईदगाह मस्जिद में सोमवार को ईद की नमाज अदा की गई। इस दौरान डीएम अभिषेक आनंद व एसपी चक्रेश मिश्र भ्रमणशील रहे। वहीं, ड्रोन से निगरानी होती रही। नमाज के दौरान मुंशीगंज की ओर जाने वाले मार्ग को पूरी तरह बन्द रखा गया।रामनगरी अयोध्या में भी कड़ी सुरक्षा के बीच ईद की नमाज संपन्न हुई। शहर के ईदगाह में रोजेदारों ने ईद की नमाज पढ़ी। ईद की नमाज के बाद सभी लोगों ने गले मिलकर एक दूसरे को ईद की बधाई दी। इस दौरान सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने ईदगाह पहुंचकर अकीदतमंदों को ईद की बधाई दी। अवधेश प्रसाद ने कहा कि ईद देश में सुख और शांति लाने वाला त्यौहार है। सभी लोग सौहार्दपूर्ण ईद का त्योहार मनाएं। एक दूसरे को गले लगा कर प्रेम और सौहार्द का संदेश दें। वहीं, डीएम चंद्र विजय सिंह ने कहा कि जिले में सकुशल ईद की नमाज संपन्न कराई जा रही है। आईजी प्रवीण कुमार ने कहा कि अयोध्या रेंज के सभी जिलों में ईद की नमाज सकुशल संपन्न कराई जा रही है। एसएसपी राज करण नय्यर ने कहा कि ईद के त्योहार पर सभी थानों में पीस कमेटी की बैठक की गई थी। सभी धर्म गुरुओं से संवाद स्थापित कर सौभाग्यपूर्ण ईद मनाने की अपील की गई है।नगर स्थित घरहां मोहल्ले में सुबह 9 बजे ईदगाह पर नमाज अदा की गई। शहर काजी मौलाना अज़्दुल लतीफ ने हजारों मुसलमानो को नमाज अदा कराया। वहीं खैराबाद स्थित मस्जिद मीर बंदे हसन में मौलाना बबर अली खां ने शिया समुदाय के लोगों को नमाज अदा कराया। ईदगाह पर एसडीएम सदर विपिन कुमार द्विवेदी, सीओ सिटी प्रशांत सिंह, तहसीलदार सदर हृदय राम तिवारी, नायब तहसीलदार सदर दुर्गेश यादव ने उलेमाओ से मिलकर उन्हें ईद की मुबारकबाद पेश की। ईद की नमाज अदा करने के बाद सभी ने मुल्क में अमन चैन और शांति के लिए हाथ दुआ के लिए उठाए। खास बात ये रही की गाइडलाइन का पालन करते हुए सड़कों पर नमाज नहीं अदा की गई। नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दिया। मौलाना अज़्दुल लतीफ ने अपने खुतबे में कहा कि ईद की नमाज से पहले फितरा गरीब जरुरतमंद को देना जरुरी है ताकि वो भी अपनी ईद मना सकें। उन्होंने ये भी कहा कि एक माह के रोज़े के बाद ये अहम खुशी का दिन आया है, ऐसे में जैसे एक माह जिंदगी का गुजारा है वैसे 11 माह गुजारने की कोशिश करना चाहिए। एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा ईद के पर्व को सकुशल सज़्पन्न कराने के लिए आज पूरे जनपद में सेज़्टर व्यवस्था लागू की गई है। सभी मजिस्ट्रेट गण, पुलिस अधिकारी गण लगातार भ्रमण शील हैं। पर्याप्त पुलिस बल, ट्रैफिक पुलिस और पीएसी बल का पूरा प्रबंध किया गया है। ये बड़े हर्षोल्लास का दिन है।

संक्षिप्त समाचार

नई शिक्षा नीति को लेकर सोनिया गांधी का केंद्र पर हमला, कहा शिक्षा प्रणाली का नरसंहार समाप्त हो

नई शिक्षा नीति को लेकर छिड़े विवाद के बीच सोनिया गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला। एक लेख में उन्होंने लिखा कि नई शिक्षा नीति का मुज़्य एजेंडा सज़ा का केंद्रीकरण , व्यावसायीकरण , निवेश को निजी क्षेत्र को सौंपना तथा पाठ्यपुस्तकों का सांप्रदायिकरण करना है। तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच नई शिक्षा नीति में हिंदी थोपने के लेकर छिड़े विवाद के बीच कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली का नरसंहार समाप्त होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि नई शिक्षा नीति का मुज़्य एजेंडा सज़ा का केंद्रीकरण , व्यावसायीकरण , निवेश को निजी क्षेत्र को सौंपना तथा पाठ्यपुस्तकों का सांप्रदायिकरण करना है। सोनिया गांधी ने कहा कि ये तीन सी आज भारतीय शिक्षा को बिगाड़ रहे हैं।एक अखबार में प्रकाशित लेख द 3सी दैट हॉन्ट इंडियन एजुकेशन टुडे में सोनिया गांधी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की शुरुआत ने एक ऐसी सरकार की वास्तविकता को छिपा दिया है जो भारत के बच्चों और युवाओं की शिक्षा के प्रति बेहद उदासीन है। पिछले दशक में केंद्र सरकार के ट्रैक रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि शिक्षा के क्षेत्र में वह केवल तीन मुज़्य एजेंडों के कार्यान्वयन को लेकर चिंतित है। इसमें पहला केंद्र सरकार के पास सज़ा का केंद्रीकरण; शिक्षा में निवेश का व्यावसायीकरण और निजी क्षेत्र को आउटसोर्सिंग तथा पाठ्यपुस्तकों, पाठ्यक्रम और संस्थानों का सांप्रदायिकरण।कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि पिछले 11 साल में केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली की पहचान अनियंत्रित केंद्रीकरण रही है,

लेकिन इसके सबसे हानिकारक परिणाम शिक्षा के क्षेत्र में हुए हैं। केंद्र और राज्य के शिक्षा मंत्रियों वाले केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड की सितंबर 2019 से कोई बैठक नहीं हुई है।

ईदगाह पर पहुंचे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, दी ईद की बधाई, बोले- साल भर याद रहती है सेवइयों की मिठास

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव लखनऊ ईदगाह पर पहुंचे और सभी को ईद की बधाई दी। उन्होंने कहा कि जो सभी को साथ लेकर चलता है वही तरक्की और खुशहाली के रास्ते पर आगे बढ़ता है।ईद का त्योहार पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। प्रदेश में अलगअलग जगहों पर ईद की नमाज पढ़ी गई और सभी ने एक दूसरे को ईद की बधाई दी है। इस मौके पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव लखनऊ स्थित ईदगाह पर पहुंचे और सभी को ईद की बधाई और शुभकामनाएं दीं।उन्होंने कहा कि मैं हर साल ईद के अवसर पर ईदगाह पर आता हूं और सभी को ईद की मुबारकबाद देता हूं। ईद की सेवइयां भी खाता हूं। उनका स्वाद मुझे साल भर याद रहता है। अभी कुछ दिनों पहले होली का त्योहार था। हम लोग गले मिले।

ईद पर हम आप लोगों के गले मिले। हमारी धरती हमें धैर्य रखना सिखाती है। जो सभी को साथ लेकर चलता है वही तरक्की और खुशहाली के रास्ते पर आगे बढ़ता है। इस दौरान ईदगाह पर मौजूद लोग अखिलेश यादव जिंदाबाद के नारे लगाते रहे।इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, उप मुज़्यमंत्री ब्रजेश पाठक और पूर्व डिप्टी सीएम व राज्यसभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा भी मौजूद रहे। उप मुज़्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सभी को प्रदेश सरकार की तरफ से ईद की मुबारकबाद दी।पूर्व डिप्टी सीएम बोले 27 साल से लगातार ईदगाह पर आता हूं इस मौके पर पूर्व डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा ने सभी को ईद की बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैं बीते 27 साल से लगतार ईद के मौके पर ईदगाह पर आता हूं और सभी को बधाई देता हूं। आप सभी को ईद की बहुतबहुत बधाई।

महंत राजू दास का विवादित बयान, गाजी और पाजी का टाइम खत्म, अब राष्ट्रवादियों का दौर

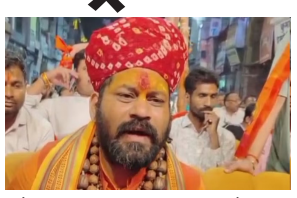

अयोध्या के हनुमानगढ़ी के प्रसिद्ध संत महंत राजू दास ने कुशभवनपुर में लगने वाले मेले पर बयान दिया है। उन्होंने वज़्फ बोर्ड को लेकर भी बयानबाजी की है।अयोध्या के हनुमानगढ़ी के प्रसिद्ध संत महंत राजू दास ने सुल्तानपुर में एक कार्यक्रम के दौरान विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि 卐गाजी और पाजी का टाइम खत्म हो गया है, अब राष्ट्रवादियों का टाइम शुरू हुआ है। महंत ने कुशभवनपुर में लगने वाले मेले पर आपज़ि जताते हुए इसे चोर, नीच, लुटेरे, बलात्कारी और राष्ट्रद्रोही लोगों का मेला करार दिया और शासनप्रशासन से इसे प्रतिबंधित करने की मांग की। महंत राजू दास ने मीडिया से बातचीत में कहा, जो पूर्ववर्ती सरकारें इस मेले को लगाने की अनुमति देती थीं, अब इसे बैन करना चाहिए। यह सभी सनातनियों, हिंदुओं और भारतवासियों की मांग है। ऐसे आतंकवादियों और अपराधियों का मेला लगना, जिन्होंने लाखों मंदिर तोड़े हों, मांबहनों की इज्जत लूटी हो और कत्लेआम किया हो, कतई ठीक नहीं है। उन्होंने प्रशासन के हालिया प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वहां रोक लगाई गई और मेला रुका भी। महंत ने अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, पाकिस्तान में बालोचियों के साथ कत्लेआम हो रहा है, मांबेटियों के साथ बलात्कार हो रहा है, उन्हें गोली मार दी जा रही है। यह नाइंसाफी है। मानवाधिकार कहां चला गया? बालोचियों के साथ दुर्व्यवहार पर सब चुप ज़्यों हैं? उन्होंने सिंध को अलग देश बनाने की वकालत करते हुए कहा, पाकिस्तान के तीन टुकड़े होने चाहिए। मैं प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से मांग करता हूं कि संयुक्त राष्ट्र में इस विषय को उठाया जाए और चर्चा हो। वज़्फ बोर्ड के मुद्दे पर महंत ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे बकवास बोर्ड और जमीन हड़पने का बोर्ड करार दिया। उन्होंने कहा, देश सेज़्युलर है, हिंदू हिंदुस्तान है। फिर भी यहां मुसलमान हैं। इस्लामिक कानून को बढ़ावा देना, वज़्फ बोर्ड और मुसलमानों के अन्य कानून लागू करना ठीक नहीं है। जब एक देश, एक विधान, एक संविधान है और भारत को सेज़्युलर बना दिया गया है, तो इस्लामिक कानून ज़्यों? उन्होंने मुस्लिम आबादी को लेकर भी सवाल उठाया, उनकी 40 करोड़ जनसंज़्या हो गई है, फिर उन्हें अल्पसंज़्यक ज़्यों कहा जा रहा है?

तीन तलाक, हलाला और श्रद्धा जैसे हत्याकांड पर अंकुश लगाएगा यूसीसी, बरेली में बोले उत्तराखंड के सीएम

उज़राखंड के मुज़्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सोमवार को बरेली पहुंचे। उज़राखंड में समान नागरिक संहिता कानून लागू करने पर उनका यहां इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी में स्वागत किया गया। इस मौके पर सीएम धामी ने कहा कि यूसीसी से तीन तलाक, हलाला और श्रद्धा जैसे हत्याकांड पर अंकुश लगेगा।उज़राखंड के मुज़्यमंत्री पुष्कर सिंह संविधान निर्माताओं को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है। समान दिल्ली के श्रद्धा हत्याकांड नहीं होंगे। कानून लागू करने की वजह भारत तक पहुंचेगा। उज़राखंड में समान नागरिक संहिता कानून आयोजित स्वागत और अभिनन्दन समारोह में धामी ने कहा कि ज़्योंकि इस कानून से एक धर्म विशेष में व्याप्त कुरीतियों से भी आफताब किसी श्रद्धा को जाल में फंसकर टुकड़ेटुकड़े नहीं कर रहे हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में अनेक निर्णय लिए गए हैं। पीएम लिया। समान नागरिक संहिता का उद्देश्य सभी के लिए एक ने कहा कि उज़राखंड में ऐसे देवस्थल हैं, जिनके बारे में लोगों किया। आदि कैलाश समेत अन्य देव स्थलों के दर्शन कराने के मुज़्यमंत्री धामी ने वो कर दिखाया। जिसे अन्य किसी राज्य में

लागू होना सपने के सच होने जैसा कानूनविद् प्रोफेसर हरिवंश दीक्षित ने समान नागरिक संहिता कानून लागू होने पर कहा कि यह सपने के सच होने जैसा है। जब संविधान निर्माता देश का संविधान बना रहे थे, तब देश में समान नागरिक संहिता लागू करने का संकल्प लिया था। ताकि समानता रहे। पर तत्कालीन सरकारों ने इसमें कोई रुचि नहीं ली। बल्कि वोट बैंक की राजनीति के लिए संविधान दांव पर रखा। भाजपा ब्रज क्षेत्र के अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाज़्य बोले कि समान नागरिक संहिता लागू करना सामान्य बात नहीं है। जहां वोटों की चिंता हो, धार्मिक आधार पर वोट के ध्रुवीकरण के दौर में समान नागरिक कानून उज़राखंड सरकार के मुज़्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लागू किया। पीएम मोदी से पहले के मुज़्यमंत्री कहते थे कि प्राकृतिक और आर्थिक संसाधन पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। देश में बंटवारा करके वोट लेना चाहते थे। पर पीएम मोदी ने सबका साथ सबका विकास का सपना देख। जिसे पुष्कर सिंह धामी ने सच कर दिखाया। देश के पहले मुज़्यमंत्री होने का गौरव मिला जिन्होंने ये कानून लागू किया ताकि समानता रहे।

धामी ने कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) कानून संविधान का मूल है, जिसे उज़राखंड में लागू करके कानून से तीन तलाक, हलाला जैसी घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगेगा। लिव इन रिलेशनशिप पंजीकरण से ये भी है कि ऐसी घटनाओं को देख नहीं सकता। उज़्मीद है कि देवभूमि की नदियों की भांति ये कानून भी पूरे लागू करने पर मुज़्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का बरेली में स्वागत किया गया। इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी में सोमवार का कानून लागू होने के बाद से जब भी उज़राखंड की मुस्लिम महिलाएं उनसे मिलती हैं तो आभार जताती हैं। निजात मिल है है। मामूली बातों पर तीन बार तलाक कहकर घर से बाहर नहीं निकाला जा सकता। अब कोई सकता।उज़राखंड के मुज़्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम एक सशक्त भारत की ओर आगे बढ़ मोदी के कार्यों से प्रेरणा लेते हुए हमने उज़राखंड में समान नागरिक संहिता लागू करने का ऐतिहासिक निर्णय समान व्यवस्था, एक समान कानून सुनिश्चित करना है। इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति एवं मेयर उमेश गौतम को पता नहीं था, उसे छिपाकर रखा था। जिन्हें सामने लाने का साहस धाकड़ मुज़्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लिए जोरदार काम किया। तमाम परिवहन व्यवस्था की। जो कानून लागू हुआ वह असंभव प्रतीत हो रहा था पर लागू कर पाना मुमकिन नहीं है। इससे सबक लेकर अन्य राज्य भी अनुसरण करेंगे। ऐसी उज़्मीद जताई।%यूसीसी

संपादकीय Editorial

Media in the broken pot of debate

Many things are known when the salaries and allowances of the representatives come out in the open. If politics is a profession, then salary is also a right. Politics has got a ground to live on, so every victory has privileges attached to it. When the Himachal Vidhan Sabha was increasing the salary of the MLAs with a happy consensus, the media was getting the news of what the community is. That is why the youth of the press gallery were mentioned again and again in the House and the media sitting in the broken pot of every debate was also cursed, because journalism has neither rights nor privileges in democracy. In the era of inflation, democratic protection has become expensive, that is, every pillar of it needs expenditure, perhaps that is why 'Electoral Bond' was invented and also stopped by its miracle. The public sees the cost of every election in a dilemma. It is very difficult to become an MLA or MP after winning. Now even the election of Panchayat Councilor is a financial system. Therefore, if we hear the heartbeat of the next election in the payment of salary, then it is insufficient. Can anyone bear the cost of elections by saving on his salary and allowances? It is certainly very difficult to go through elections. If the salaries of MPs are increased, then naturally the need to increase the salaries of MLAs of the state increases. At least in the test of increasing salaries, the double engine proves useful. The BJP MLAs who spoke in the debate in the House spoke very well. They spoke in favour of the government and the reality of the state, but we will only say that with the same passion these responsible representatives should also speak in the ears of the Center in favour of Himachal. When did we once see the details of the capability of the elected representative in his education. He can become entitled to salary and pension after spending five years, because it is his constitutional right. This is the democracy here. We can say that the democracy of India is in a good mood and can always remain so, provided the honorables are not worried about what is the inflation rate in the country, what are their needs, what are their facilities, how much is their authority, how crippled is the country or how much debt is there on the state. By the way, the attendance register determines that there is discipline in getting salary, so the journalist who waits for news all day, marks his absence from salary. It is a different matter that now media's attendance is being signed by politics, journalists are being present in every court. Media is no longer just newspapers, so MLAs have also started uploading videos of their news or have started sharing them on digital channels here and there. As much as it was inside the House, it is more outside as well, because the videos of MLAs have now started becoming the property and views of journalists, still there is a complaint that journalists are not loyal. Those who bow down to the friendly side of the media on the issues of their videos from the honorable House, their contact with the public, debates between the ruling and opposition parties, political gossips and their image, if the same curse journalism on the justification of their salary, then it will have to be accepted on which basis of democracy their powers are being displayed. Within the limits of the arguments on which the salaries and allowances of the MLAs should be increased, it is unnecessary to criticize the financial recommendation in favor of the financial system of the state, the ambitions of the unemployed and the self-reliance and independence of the journalists. About half a dozen newspapers are being published from Himachal and the same number are coming from outside, so this is also an investment of employment. If the state has to stay close to words.

'No aspect related to the nation is untouched by the Sangh', read on completion of 100 years of RSS

On March 30, the birth anniversary of RSS founder Dr. Keshav Baliram Hedgewar was celebrated. On this occasion, RSS General Secretary Dattatreya Hosabale told how the founder brought the Sangh to this level. Dattatreya Hosabale said that there can be no better occasion than Hedgewar's birth anniversary, which is the first day of the Hindu calendar i.e. Varsha Pratipada. Dr. Hedgewar was a born patriot. To observe the 100-year journey of the Rashtriya Swayamsevak Sangh and to take a pledge for the future of a harmonious and united India with world peace and prosperity, there can be no better occasion than the birth anniversary of RSS founder Dr. Keshav Baliram Hedgewar, which is the first day of the Hindu calendar i.e. Varsha Pratipada. Dr. Hedgewar was a born patriot. His immense love and pure dedication towards the land of India was visible in his activities since childhood. By the time he completed his medical education in Kolkata, he had become familiar with all the efforts being made to free India from British slavery, from armed revolution to Satyagraha. Dr. Hedgewar, known as Doctor ji in the Sangh, respected all the efforts to free the motherland from the shackles of slavery and did not underestimate any of these efforts. Permanent solution found - Social reform or political independence were among the main topics of discussion in that era. At such a time, as a doctor of Indian society, he focused on those problems due to which we were caught in the shackles of foreign slavery. He also decided to provide a permanent solution to this problem. He realized that the lack of patriotic feelings in daily life, the decline of collective national character, resulting in narrow identity, and lack of discipline in social life are the main reasons for foreign invaders gaining a foothold in India. He also realized that people have forgotten their glorious history under foreign slavery. Due to which a feeling of inferiority has taken root in their minds regarding their culture and knowledge tradition. He believed that political movements led by a few people alone would not solve the fundamental problems of our ancient nation. Therefore, he decided to develop a system of continuous effort to train people to live in the national interest. The result of this farsighted thinking beyond political struggle is seen in the form of the innovative and unique working methodology of the branch-based Sangh. Having participated in India's political freedom struggle and encouraging others to do the same, Dr. Hedgewar developed this methodology to organize the entire society rather than forming an organization within the society. The scheme became a guide - Even today, after 100 years, thousands of youth are following the path shown by Dr. Hedgewar and are ready to sacrifice everything for the national interest. The acceptance and expectations of the Sangh in the society are also increasing. All this is an indication of the acceptance of Doctor ji's vision and working methodology. The ever new development of this movement and philosophy is no less than a miracle. Explaining the idea of ??Hindutva and nation was not an easy task as most of the English educated intellectuals of that period were influenced by the European concept of nationalism. This European concept of nationalism was based on narrowness and exclusion. Instead of propounding any ideological principle, Dr. Hedgewar gave a plan of action in the form of a seed, which has been the guiding force in this journey. During his lifetime itself, the work of the Sangh had reached all parts of India. When we got independence, unfortunately at the same time, Bharat Mata was divided on the basis of religion. In such a difficult situation, the volunteers of the Sangh dedicated themselves to save the Hindus suffering the pain of partition in the newly formed Pakistan and to rehabilitate them with respect and dignity. All dedicated to Rashtra Chintan – This mantra of 'organization for organization' became the reason for transmitting organizational energy in various fields of national life. The concept of volunteer is basically a feeling of responsibility and duty towards the society, which is showing its presence in fields ranging from education to labor and politics. Everything should be restored on the basis of national thinking, the second Sarsanghchalak Shri Guruji (Madhav Sadashiv Golwalkar) was the guiding force during this phase. India is an ancient civilization, which has to play an important role in the interest of humanity on the basis of its spiritual traditions. If India has to play this important role based on unity and universal goodwill, then Indians will have to prepare themselves for this goal. For this purpose Shri Guruji provided a strong ideological base. The reformist steps of Hindu society got new momentum when all the sects of India declared that any kind of discrimination has no religious recognition. During the Emergency, when the Constitution was brutally attacked, the volunteers of the Sangh played an important role in the struggle for the restoration of democracy in a peaceful manner. The Sangh moved forward from the concept of Shakha and took steps towards service work by calling upon the gentleman power of the society and has made significant progress during the last 99 years. Movements like Shri Ram Janmabhoomi Mukti culturally organized all sections and regions of India. From national security to border security, cooperation in governance, From participation to rural development, no aspect of national life is untouched by the volunteers of the Sangh. It is a matter of satisfaction that the society itself is coming forward to be a part of this system change. Work will be done on Panch Parivartan - Nowadays there is a tendency to see everything through political glasses, even in such a situation, the Sangh is focusing on cultural awakening of the society and developing a strong structure of people and organizations with right thinking. The leading role of women in social change and strengthening the family system has been the focus of Sangh work for the last few years. After the call of the Sangh to celebrate the three-century birth anniversary of Lokmata Ahilyadevi Holkar, about ten thousand programs were organized all over India. More than 27 lakh people participated in them. This is a proof of how we are collectively celebrating our national symbols. At a time when the Sangh has entered the 100th year of its journey, the Sangh has decided to take the work of individual development for nation building to the village and block level. In this direction, the growth of ten thousand branches in the last one year with systematic planning and implementation is a symbol of the determination of the volunteers and the acceptance of the society. The goal of reaching every village and settlement is still incomplete and it is a matter of introspection. In the coming years, the call for Panch Parivartan i.e. five-level program will remain the center of Sangh's work. While expanding the branches, the Sangh has focused on civic duties, environmentally friendly lifestyle, social harmony, family values ??and 'self' realization, so that every person can contribute in taking the motherland to the peak of supreme glory. We are the children of Mother India - In 100 years, the Sangh has completed the journey from neglect and ridicule to curiosity and acceptance as a movement for national reconstruction. The Sangh does not believe in opposing anyone. We believe that even a person who opposes the work of the Sangh will one day participate with the Sangh in this sacred work of nation building. At a time when the world is grappling with challenges ranging from climate change to violent conflict, then the ancient and empirical knowledge of India is capable of providing a new direction in the form of solutions. This huge but inevitable task will be possible only when every child of Mother India understands his role and contributes to creating such a national ideal that inspires others to emulate. Come, let us all together take a pledge to present the ideal of a harmonious and united India before the world by taking the entire society along under the leadership of gentleman power.

Muslim society should choose the right role model, should take inspiration from thoughtful persons

Aurangzeb's victory in 1659 and the murder of Dara proved to be a turning point in Mughal history. That incident not only turned the Mughal Empire towards a narrow rule but also affected the future of the Indian subcontinent. Many historians believe that if Dara Shikoh had come to power, then perhaps the Mughal rule would have touched new dimensions of religious tolerance and cultural inclusiveness. Every society needs a holistic approach to move forward. In fact, the development of that society is possible only after ideological development. The discussion on Aurangzeb today is again raising the question that was there any lack of role models in the Muslim society, that even today some people have to choose Aurangzeb? So the answer to this will be no, there are many role models in the Muslim society, in fact there were role models in the Mughal Sultanate itself. Like Aurangzeb's elder brother and Mughal crown prince Dara Shikoh. The surprising thing is that even today many people of our Muslim society are not familiar with this spiritual son of Shahjahan. Dara inherited both opulence and a warlike environment, as well as a multicultural legacy established by Akbar and Jahangir. Dara occupies a unique place in the intellectual and cultural fabric of the Indian subcontinent. Though often relegated to the footnotes of mainstream historians, his legacy remains as that of a brilliant scholar and a strong proponent of religious pluralism. At a time when war and dominance on the battlefield were considered the greatest virtue, Dara valued freedom of religious thought. While his brothers focused on the strategic imperatives of capturing and expanding imperial power, Dara was deeply interested in intellectual and spiritual pursuits. His commitment to understanding different religions led him to undertake the mammoth task of translating major Sanskrit texts, especially the Upanishads, into Persian. From the Red Fort in Delhi to the banks of the Ganges in Varanasi, Dara spent much of his time understanding Indian spirituality. Dara Shikoh's most important contribution to the spiritual world was his attempt to build a bridge between Hinduism and Islam. He studied Hindu scriptures extensively and translated the Upanishads into Persian in 1657, which was named 'Sirr-e-Akbar' (Great Mystery). Through this work, he introduced Hindu philosophical thought to the Persian and Islamic world, which later inspired European scholars, such as Schopenhauer. Dara was the eldest son of the Mughal emperor Shah Jahan and a follower of Sufism. He belonged to the Qadiri order of Sufis. He devoted himself completely to finding spiritual similarities between Islam and Hinduism. He believed that the Upanishads contained an esoteric knowledge that matched the Sufi tradition (Tasawwuf) of Islam. He also wrote several books, most prominent among them being 'Majma-ul-Bahrain' (Confluence of Two Seas), which analyzed the similarities between Sufism and Vedanta. He did this work on the basis of dialogue with religious scholars, his own spiritual experiences and a spirit of religious tolerance. This effort, carried out with the assistance of Hindu pundits, was not just a linguistic exercise but also an important attempt to bridge the intellectual and spiritual divide between the Hindu and Islamic traditions. Dara Shikoh believed in bringing together different religious communities on one platform and promoting dialogue. For him religion was not just a matter of faith but a medium through which harmony could be brought in society. The most tragic turn in Dara's life came when after Shah Jahan fell ill, a struggle for succession broke out in the Mughal Sultanate. His biggest rival in that struggle was his younger brother Aurangzeb. It was not just a battle for power between two brothers but also a clash of two different ideological views. Dara was a symbol of inclusiveness, religious tolerance and intellectual freedom, while Aurangzeb was moving towards a more conservative and centralized system of governance. Aurangzeb's victory and Dara's assassination in 1659 proved to be a turning point in Mughal history. That incident not only turned the Mughal Empire towards a narrow rule, but also affected the future of the Indian subcontinent. Many historians believe that if Dara Shikoh had come to power.

मुरादाबाद में अल्लाह की बारगाह में झुके लाखों सिर, मांगी तरक्की और अमन चैन की दुआ

मुरादाबाद। जिले में ईदउलफितर का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह ईदगाह में ईद की नमाज अदा की गई। ईदगाह के मैदान से लेकर आसपास के क्षेत्र में लगभग लाखों मुसलमानों ने अल्लाह की बारगाह में मुल्क की तरक्की लिए दुआ की। ने एकदूसरे को की मुबारकबाद सतपाल अंतिल अधिकारी ड्रोन कैमरे से निगरानी की। संज़्या में लोगों जाने पर हंगामा जमकर की।नमाजियों एसपी सिटी सिंह एसपी सिंह ने उनको कराया और बात कर ईद की ईदगाह में अदा नमाजियों का पुलिस प्रशासन 7.30 बजे के कहकर रोक में जगह नहीं ईदगाह में जगह फिलहाल और पुलिस शांतिपुर तरीके उल फितर की करवाया है। इस मौके पर सपा सांसद रुचि वीरा ने लोगों से मिलने के लिए पहुंची थी। रुचि वीरा नमाजियों से मिलने के लिए पुलिस से नोंकझोंक करती हुई नजर आई है।

मुरादाबाद में नमाजियों को रोकने पर हंगामा, पुलिस से हुई नोकझोंक...DM अनुज सिंह SSP सतपाल अंतिल ने लिया जायजा

मुरादाबाद । महानगर में ईदगाह में बड़ी संज़्या में लोगों ने ईद की नमाज अदा कर मुल्क में अमन चैन व तरक्की की दुआ मांगी। ईदगाह मैदान में नमाजियों को रोके जाने से रोकने पर हंगामा हो गया। विरोध जताने पर नमाजियों की पुलिस से नोकझोंक हो गई। हालात संभालने के लिए एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह मौके पर पहुंचे। सूचना मिलते ही जिलाधिकारी अनुज सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने मौके पर पहुंच कर लोगों को समझा कर शांत कराया। इसके में सभी लोगों को लोगों ने शांतिपूर्वक और एसएसपी अधिकारियों ने पूरे ने लोगों से शांति बनाए बड़ी संज़्या में नमाज लोग पहुंचते हैं। अंदर ही नमाज अदा की का आरोप था कि भर जाने की बात जबकि ईदगाह परिसर लोगों ने नारेबाजी कर पुलिस का विरोध एसएसपी सतपाल ने लोगों को समझाकर शहर इमाम से बातचीत अदा कराई जिसमें सभी अमन चैन की अल्लाह बताया कि जिले में ईद के बीच कराई गई। कुछ लोग ईदगाह के बाहर रह गए थे जिसके चलते नाराजगी जताई लेकिन सभी को समझाकर उन्हें भी ईदगाह में नमाज अदा करने का अवसर दिलाया गया। लोगों ने प्रशासन व पुलिस का सहयोग किया है। सभी के सहयोग से नमाज सकुशल संपन्न हुई है।

मो०शमी के बहन बहनोई समेत 12 से होगी

दस लाख की वसूली, केस में आया नाम

मुरादाबाद क्रिकेटर मोहज़्मद शमी की बहन और उनके परिवार के सदस्यों के नाम मनरेगा मजदूर के रूप में 10 लाख रुपये की मजदूरी लेने का मामला सामने आया है। डीएम के निर्देश पर जांच में गड़बड़ी की बात सामने आई है। अब नोटिस और रिकवरी की कार्रवाई शुरू की जा रही का पंजीकरण मनरेगा मजदूर के रूप में होने और उनके वसूली होगी। डीसी मनरेगा अमरेंद्र प्रताप सिंह का कहना में गड़बड़ी की रिपोर्ट डीएम को भेजी जाएगी।डीएम के की जाएगी। मोहज़्मद शमी की बहन शबीना की शादी के साथ हुई है। शबीना की सास गुले आयशा गांव की सामने आई थी कि शबीना, उसके पति और दो देवर का मामले की डीएम निधि गुप्ता वत्स ने जांच के आदेश कि मनरेगा में मजदूरी पाने को प्रधान के परिवार की और गजनबी समेत परिवार के आठ लोगों ने मजदूरी शबीना ने 71013, उनके पति गजनबी ने 66561, देवर सुहेल ने 63851, ननद नेहा ने 55867, सरिया ने 54645 मजदूरी चार सालों में हासिल की है। इसके अलावा अधिक लोग इस फर्जीवाड़े का हिस्सा रहे हैं। जिनमें हैं। जिन्होंने करीब दस लाख रुपये की मजदूरी गलत गए दस्तावेज क्रिकेटर मोहज़्मद शमी की बहनबहनोई मामला सामने आने बाद केंद्र और प्रदेश सरकार ने भी रविवार को भी बीडीओ जोया विकास भवन में रिकॉर्ड करते रहे। जांच टीम पलौला गांव में पहुंचकर ग्रामीणों के बयान दर्ज कर चुकी है। अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में नोटिस और रिकवरी के साथ ही मुकदमा भी दर्ज किया जाएगा। 2021 में बनाए गए थे मनरेगा जॉब कार्ड अधिकारियों के मुताबिक प्रधान के परिवार के लोगों के मनरेगा जॉब कार्ड जनवरी 2021 में मनाए गए थे। जिस समय जॉब कार्ड बनाए गए तब पंचायतों में प्रशासक की तैनाती थी। इसी दौरान ही जॉब कार्ड बनाए गए और तीन सालों तक मनरेगा में मजदूरी उनके खाते में आई। 2024 में परिजनों के जॉब कार्ड निरस्त कर दिए गए। लेकिन ग्राम प्रधान गुले आयशा की बेटियों तीनों ननद के कार्ड निरस्त नहीं किए गए। मामला सुर्खियों में आने के बाद अब उनके जॉब कार्ड भी निरस्त कर दिए गए हैं।

है। क्रिकेटर मोहज़्मद शमी के बहनबहनोई खाते में मजदूरी के पैसे आने के मामले में है कि जोया ज़्लॉक के पलौला गांव में मनरेगा निर्देश पर नोटिस और रिकवरी की कार्रवाई जोया ज़्लॉक के पलौला गांव निवासी गजनबी प्रधान हैं। कुछ दिन पहले यह जानकारी नाम मनरेगा मजदूर के रूप में दर्ज है।इस दिए थे। जांच में यह जानकारी सामने आई और से फर्जीवाड़ा किया गया है। शबीना हासिल की है। जांच में सामने आया है कि शेखू ने 55312, नसरुद्दीन ने 71704, आमिर व सबा रानी ने 17020 रुपये की मनरेगा परिवार के दूसरे लोगों समेत करीब 12 से ऐसे लोग भी शामिल हैं जो विदेश में रह रहे तरीके से हासिल की।रविवार को भी खंगाले के खाते में मनरेगा की मजदूरी आने का जिला प्रशासन से रिपोर्ट तलब कर ली है। का मिलान कर जांच के तथ्यों को मिलान

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम की टीम ने टैज़्स बकाए में मिडटाउन ज़्लब, वेब माल और पीवीआर को किया सील

वितीय वर्ष के आखिरी दिन बड़े बकाएदारों के खिलाफ जारी है कारवाई

मुरादाबाद।मुरादाबाद। वर्तमान विज़ीय वर्ष के आखिरी दिन सोमवार को नगर निगम की टीम ने गृहकर, जलकर, सीवर कर के बड़े बकाएदारों के खिलाफ कारवाई करते हुए उनके प्रतिष्ठान और भवन सील कर दिया। इसमें रामगंगा विहार स्थित मिडटाउन होटल व ज़्लब, पीवीआर सिनेमा माल, वेव माल आदि पर कारवाई कर दी। कर निर्धारण अधिकारी प्रमोद कुमार के नेतृत्व में टीमों के द्वारा महानगर के इन प्रतिष्ठित व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को सील करने की कारवाई से हड़कंप मच गया। कर निर्धारण अधिकारी ने बताया कि अभी कारवाई जारी है। जिसने भी टैज़्स जमा नहीं किया है उसके खिलाफ कारवाई की जा रही है।

मुरादाबाद ईदगाह और हांजी युनूस बाबडी मस्जिद में संपन्न हुई ईद की नमाज़

(ज़्यूँ न लिखूँ सच) सिकंदर राजा

मुरादाबाद गलशहिद इलाके की ईदगाह मैदान और वही हांजी युनूस बाबडी मस्जिद मे ईद उल फितर की नमाज़ शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न

कराई गई ड्रोन कैमरे से निगरानी की गई सभी ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद पेश की तो वही छोटेछोटे बच्चों ने भी ईदगाह मैदान में पहुंचकर ईद की नमाज अदा की तो वहीं कुछ विरोध और नारेबाजी करने वाले लोगों का कहना था कि प्रशासन ने उन्हें ईदगाह के अंदर जाने से रोक दिया था , नमाजियों को कहना था कि प्रशासन हमे दोबारा से नमाज कराए हंगामा करने वाले लोगों को पुलिस ने समझाया और दोबारा से ईद की नमाज अदा कराई इस मौके पर मुरादाबाद एसएसपी सतपाल अंतिल ,एसपी सिटी अखिलेश भदोरिया , जिलाधिकारी, अनुज सिंह सपा सांसद रुचि वीरा, शहर इमाम, वही हांजी युनूस बाबडी मस्जिद के मुज़ावल्ली मोहज़्मद अयूब सैफी , मुजाहिद हुसैन मो उरहान मोहज़्मद जोहान ,रिफा, अकमाम ,अबू बकर ,परवेज आदि लोगों ने ईद की नमाज अदा करते हुए शुभकामनाएं पेश की

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001;उत्तर प्रदेशद्ध से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद ;उत्तर प्रदेशद्ध से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

कब्ज़ेदारों ने पहले सरकारी भूमि पर जमाया डेरा, अब कर रहे कारोबार

(ज़्यूँ न लिखूँ सच) सत्यम शर्मा

बरेली। पीलीभीत बाईपास रोड किनारे सरकारी भूमि पर कब्ज़े हो गए। रुहेलखंड यूनिवर्सिटी के निकट मजार के पास से डोहरा चौराहे तक गड्ढों को मिट्टी और रोड़ा डालकर पाटने के बाद झोपड़ियां डाल लीं। अब रेताबजरी के साथ ईंटों व गिट्टियों का कारोबार किया जा रहा है। उन्हें जमीन के किरायेर न ही जीएसटी की चिंता है। रुहेलखंड यूनिवर्सिटी की दीवार से सटकर इतना कुछ चल रहा है, लेकिन किसी अधिकारी को चिंता नहीं। मुज़्यमंत्री के दौरे को लेकर कई दिनों से अफसरों की गाड़ियां इस रोड से गुजर रही हैं, लेकिन कब्ज़े कर डाली गईं झोपड़ियों पर किसी की नजर नहीं जा रही। अवैध कारोबार करने वालों पर कार्रवाई के लिए लोक निर्माण विभाग आगे आ रहा है न ही नगर निगम। जबकि यह भूमि लोक निर्माण विभाग के अधीन है। कुछ दिन पहले नगर निगम के अतिक्रमण दस्ते ने डोहरा चौराहे से पहले भूमि पर अवैध रूप से बनी झोपड़ियां ढहाई थीं।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने समान नागरिक संहिता लागू करने की घोषणा

(ज़्यूँ न लिखूँ सच) सत्यम शर्मा

बरेली। बरेली में आयोजित 'सज़्मान एवं अभिनंदन समारोह' में बोल रहे थे बरेली। उज़राखंड के मुज़्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बरेली, उज़र प्रदेश में आयोजित 'सज़्मान एवं अभिनंदन समारोह' में भाग लिया, जहाँ उन्होंने उज़राखंड में समान नागरिक संहिता लागू करने की घोषणा की। इस अवसर पर, मुज़्यमंत्री ने इंन्वर्टिस विश्वविद्यालय में छात्रों और नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि उज़राखंड में समान नागरिक संहिता लागू करने से राज्य में न्याय, समानता और भाईचारे को बढ़ावा मिलेगा। पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि समान नागरिक संहिता का उद्देश्य सभी नागरिकों को एक समान अधिकार देना है, जिससे समाज में साज़्प्रदायिक सौहार्द और सामाजिक समरसता का माहौल बने। इस कदम से न केवल उज़राखंड, बल्कि पूरे देश में एकता और अखंडता को बल मिलेगा। उन्होंने इस पहल को ऐतिहासिक और समावेशी बताया, जो सभी धर्मों, जातियों और समुदायों को समान दर्जा देने में मदद करेगी। समारोह में बड़ी संज़्या में लोग शामिल हुए, और मुज़्यमंत्री की पहल को लेकर उत्साह देखा गया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

रिठौरा में कढ़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई ईद उल फितर की नमाज़

ज़्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। थाना हाफिजगंज के गांव लभेड़ा उर्फ बुलंद नगर,गुपलापुर, मुल्लापुर, दियोरिया जागीर, मुंडिया अहमदनगर,चावढ़ भंडसर, कुंवरपुर बंजरिया, सावर खेड़ा,रिठौरा में ईद की नमाज़ पुलिस के कड़े पहरे में सकुशल संपन्न हुई।नगर के ईदगाह में मौलाना मुकर्रम रजा ने ईद की नमाज़ पढ़ाई। वहीं अली नगर में मौलाना लईक अहमद ने नमाज़ पढ़ाई। बस्ती के लोगों ने उन्हें एक लाख पच्चीस हजार सात सौ छप्पन रूपये नज़राना दिया गया।इस दौरान मुल्क की सलामती और अमनचैन की दुआ की गयी।भारी संज़्या में पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

जगत कल्याण में भाषा का महत्व,दूसरों के अपमान से होता है, महाभारत संध्या कुमारी

ज़्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।नगर के प्राचीन झलरापीपल मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन कथावाचक संध्या कुमारी ने महाभारत के खंडप्रस्थ में द्रोपदी द्वारा दुर्योधन के तिरस्कार से हुई महाभारत में केवल कौरवों का ही दोष नहीं था। बल्कि इस का मूल कारण द्रोपदी के अंधों के अंधे ही होते हैं। जैसे असहज शज़्द की देन था।हम सभी को सोच विचार कर भाषा का प्रयोग करना चाहिए।इसी में जीव का कल्याण निहित है।इस मौके पर महन्त तुलसीदास महाराज, मोहनदास,बाबा कालीदास, यजमान मेघनाथ साहू, पुष्पा साहू, भजनलाल भास्कर, राजीव साहू, सर्वेश,सुमन, धर्मेंद्र साहू,विकास,छोटू यादव, राजपाल यादव, सुधीर कुमार सहित भारी संज़्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

भोले नाथ से निराला कोई ओर नहीं है..

(ज़्यूँ न लिखूँ सच) सत्यम शर्मा

बरेली = स्थानीय श्री हरमिलाप शिव शक्ति मन्दिर जनकपुरी बरेली में चल रही श्री शिव महा पुराण के दूसरे दिन आचार्य श्री मधुर कृष्ण शास्त्री जी ने सूत जी एवं शौनक जी में मध्य संवाद पर चर्चा करते हुए अग्नि स्तंभ से शिव लिंग प्राकट्य की कथा सुनाई और शिव जी को अर्पित की जाने वाली बेलपत्री की महिमा को बताया । महापुराण के दौरान आचार्य शास्त्री जी ने भगवान शंकर के भजनों से समय बांध दिया और श्रद्धालुओं में भाव उमड़ आया । मन्दिर कमेटी के श्री राम सेठी जी के अनुसार मंदिर के वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित कथा प्रतीक दिवस सांय 7 बजे से होगी । कार्यक्रम में प्रसादी ,सेवा के माध्यम से रही । सहयोग में भजन गायक जगदीश भाटिया हरीश सिधवानी ,दीपक अरोड़ा, राजन सज़्सेना, जितेंद्र साहनी, अजय आनंद, का रहा आज के मुज़्य यजमान मोहित कपूर रहे।

ईदगाह समेत शहर भर की मस्जिदों में अदा की गई ईद उल फितर की नमाज

एक दूसरे को गले मिलकर दी ईद की मुबारकबाद

(ज़्यूँ न लिखूँ सच) सत्यम शर्मा

बरेली। देश भर में ईदउलफितर का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही बच्चों और बड़ों ने नएनए कपड़े पहनकर मस्जिदों और ईदगाह का रुख किया। रमज़ान के पूरे महीने इबादत कर ईद की खुशियां मनाई। ईद

की नमाज़ अदा कर एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। मस्जिदों में इमामों ने मिल्लत की खुशहाली के साथ मुल्कएहिंदुस्तान की तरक्की और फिलिस्तीन के मुसलमानो के लिए खुसूसी दुआ की। शहर में मुज़्य नमाज़ बाकरगंज स्थित ईदगाह में साढ़े दस (10.30) बजे ग्रैंड मुफ़्ती असजद रज़ा क़ादरी(असजद मिया) ने अदा करायी। नमाज़ के बाद खुत्बा पढ़ा उसके बाद खुसूसी दुआ की। सभी से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी इस मौके पर जमात रज़ा मुस्तफ़ा के राष्ट्रीय महासचिव फरमान हसन ख़ान (फरमान मियाँ) ने भी सबको गले मिलकर मुबारकबाद दी। यहाँ की व्यवस्था ईदगाह कमेटी के खलील अहमद,महताब मियां,अशरफ अली,इरशाद अहमद,साहिल रज़ा क़ादरी आदि ने संभाली। लोगो ने नमाज़ अदा कर कब्रिस्तान जाकर अपने पुरखों के लिए फातिहा पढ़कर ईसाले सवाब किया। इसके बाद दावतों का दौर चला। बड़ो ने बच्चों को ईदी दी। सबसे पहले बाजार सन्दल खान स्थित दरगाह वली मियां में नमाज़ अदा की गई। इसके बाद दरगाह ताजुशशरिया,दरगाह शाह शराफ़त मिया,दरगाह बशीर मियां,ख़ानक़ाहएवामिकिया, ख़ानक़ाहएनियाज़िया,दरगाह शाहदाना वली,दरगाह रफीकउलऔलिया, जामा मस्जिद,दरगाह नासिर मियां(नौमहला मस्जिद), मस्जिद बीबी जी, पीराशाह मस्जिद,हबिबिया मस्जिद, नूरानी मस्जिद, कचहरी वाली मस्जिद,मसीत उल्लाह हरी मस्जिद,मुफ़्ती आजम हिंद मस्जिद आदि में अपने तय शुदा वक्तों पर नमाज़ अदा की गयी। दरगाह के नासिर कुरैशी ने बताया कि सबसे आखिर में सुबह 11 बजे दरगाह आला हज़रत की रज़ा मस्जिद में मुफ़्ती ज़हीम रज़ा ने नमाज़ अदा करा कर खुत्बा पढ़ा। इसके बाद अल्लामा तौसीफ मियां ने खुसूसी दुआ की। यहाँ दरगाह प्रमुख हज़रत सुज़्हानी मिया, सज्जादानशीन मुफ़्ती अहसन मियां, हज़रत मन्नानी मियां,मौलाना तौकीर रज़ा खा, मुफ़्ती सलीम नूरी समेत आला हज़रत के परिवार ने नमाज़ अदा की। यहाँ दरगाह प्रमुख हज़रत सुज़्हानी मियां व मुफ़्ती अहसन मियां ने सभी को मुबारकबाद पेश की। मुफ़्ती अहसन मियां ने नमाज़ अदा करने के बाद कहा कि अल्लाह ने अपने बंदों को तीस रोजो को इनाम ईद के रूप में अता किया। रोजदारो ने जिस तरह अपने आप को रमज़ान भर हर बुरे काम से रोके रखा उसी तरह बाकी बची ज़िंदगी भी इसी तरह गुजारे। नासिर कुरैशी,हाजी जावेद खान,शाहिद नूरी,वपरवेज़ नूरी,अजमल नूरी, ताहिर अल्वी,मंजूर खान,मुजाहिद रज़ा,काशिफ रज़ा,खालिद नूरी,साजिद रज़ा,आसिम रज़ा,जोहिब रज़ा,साकिब रज़ा,रोमान रज़ा,सुहैल रज़ा,अरवाज़ रज़ा आदि ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी ।

झुमका तिराहे पेट्रोल पंप के पास दुकानों में लगी भीषण आग, मची अफरा तफरी

(ज़्यूँ न लिखूँ सच) सत्यम शर्मा

बरेली। सीबीगंज थाना क्षेत्र में झुमका तिराहे पर पेट्रोल पंप के पास सोमवार को तीन दुकानों में किसी तरह भीषण आग लग गई। दुकानों से ऊंची ऊंची लपटें उठता देख लोगों में खलबली मच गई। सूचना पर फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि आग बराबर में पेट्रोल पंप तक नहीं पहुंची, वरना बड़ी घटना घटित हो सकती थी। झुमका तिराह पर रामद्वार गेट के पास पेट्रोल पंप के बराबर में परसाखेड़ा गांव निवासी हबीब खां की परचून व इलेज़्ट्रॉनिज़्स की दो अलग दुकानें है। वहीं बराबर में तहसील खान की किराना की दुकान है। दोपहर में करीब बारह बजे सबसे पहले हबीब खां की परचून की दुकान में किसी तरह आग लग गई। आग ने कुछ ही पलों में इलेज़्ट्रॉनिज़्स व किराना की दुकान को भी अपनी चपेट में ले लिया। तीनों दुकानों में आग विकराल हो गई। आग लगने की सूचना से पुलिसप्रशासन में खलबली मच गई, ज़्योंकि वहीं पास में ही बने रामद्वार गेट का मंगलवार को मुज़्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उद्घाटन होना है। सूचना मिलते ही इंस्पेज़्टर सीबीगंज सुरेश चंद्र गौतम पुलिस बल के मौके पर पहुंचे। दो दमकल की गाड़ियों को मौके पर बुलाकर करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग काबू पाया। गनीमत रही कि समय रहते आग पर काबू पा लिया, वरना आग कही अगर बराबर में पेट्रोल पंप तक पहुंच जाती तो बड़ी घटना घटित हो सकती थी।

अखिलेश यादव का आरोप मुझे ईदगाह जाने से रोका गया, बोले देश को संविधान से चलाए भाजपा

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मुझे ईदगाह जाने से रोका गया और जब मैंने अफसरों से इसका कारण पूछा तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत में पुलिस पर उन्हें ऐशबाग ईदगाह जाने से रोकने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मुझे जानबूझकर आधे घंटे रोका, आज तक इतनी बैरीकेडिंग नहीं की गई। मैं हमेशा यहां आता रहा हूं। लोकतंत्र और संविधान को सबसे बड़ा खतरा भाजपा से है। देश को संविधान से नहीं, भाजपा से चलाया जा रहा है।अखिलेश यादव ने कहा कि आज जब मैं यहां (ईदगाह समारोह में शामिल होने) आ रहा था तो जानबूझकर मुझे पुलिस ने रोका। एक घंटे तक बातचीत करने के बाद मुझे आगे जाने दिया गया। जब मैंने जानना चाहा कि आखिरकार ऐसा ज़्यों किया जा रहा है तो किसी अधिकारी के पास कोई जवाब नहीं था। मैं इसे ज़्या समझूं? ज़्या ऐसा दबाव इसलिए बनाया जा रहा है कि हम दूसरे लोगों के समारोह में शामिल ना हों? उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान से देश को नहीं चला रही है। उन्होंने अस्पतालों में इलाज और दवाओं की कमी का भी जिक्र किया और आईएएस अधिकारियों के घोटाले के बाद फरार होने की बात कही। अखिलेश यादव सोमवार को लखनऊ स्थित ऐशबाग ईदगाह पहुंचे थे। जहां उन्होंने सभी को ईद की बधाई दी। उन्होंने कहा कि ईद भाईचारे और सौहार्द का त्योहार है। कोई देश तभी तरक्की कर सकता है जब सब लोग साथ मिलकर रहते हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

सूरजपुर पुलिस ने अंधे कत्ल का खुलासा कर 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार

(ज्यूँ न लिखूँ सच) सूरजपुर। दिनांक 28.03.2025 को एसईसीएल भटगांव के सुरक्षा प्रहरी राजेश शुज़्ला ने थाना भटगांव में सूचना दिया कि ग्राम कपसरा बंद खदान महान1 के पोखरी में एक अज्ञात व्यक्ति का शव कपड़ा से बंधा है। सूचना पर मर्ग कायम कर थाना भटगांव पुलिस मौके पर पहुंची और शव पंचनामा कर अज्ञात मृतिका की शिनाज़्ती के लिए पूरे जिले के थानों को सूचना दिया। मामले की सूचना पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने अज्ञात मृतिका की शिनाज़्ती जल्द कराने, परिस्थितिजन्य एवं भौतिक साक्ष्य संकलन करने के निर्देश दिए। इसी बीच अज्ञात मृतिका के पहचान थाना प्रतापपुर में दिनांक 25.03.2025 को कायम किए गए गुम इंसान संतोषी कश्यप उम्र 25 वर्ष निवासी सरगीगुड़ा थाना देवभोग जिला गरियाबंद, वर्तमान पता ग्राम खोरमा प्रतापपुर के रूप में हुई। मृतिका के शार्ट पीएम रिपोर्ट में डॉज़्टर के द्वारा मृतिका के मृत्यु का कारण हत्यात्मक लेख किए जाने पर थाना भटगांव में धारा 103, 238, 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया। ीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने हत्या के आरोपी की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए। थाना भटगांव पुलिस की विवेचना में पाया गया कि मृतिका का प्रेम विवाह वर्ष 2022 में राजेश चौधरी निवासी ग्राम केवरा के साथ हुआ था तत्पश्चात् डेढ वर्ष बाद इसका चचेरा भाई प्रमेन्द्र चौधरी के द्वारा अपने साथ गुपचुप तरीके से ग्राम खोरमा में किराये का मकान लेकर मृतिका को रखा था। दिनांक 25/03/2025 को मृतिका के गुमशुदगी के संबंध में गलत हुलिया बताकर वास्तविक बातों को छुपाकर थाना प्रतापपुर में गुम इंसान दर्ज कराया जिसके बाद पुलिस ने दबिश देकर प्रमेन्द्र चौधरी को पकड़ा। पूछताछ पर प्रमेन्द्र ने बताया कि वह संतोषी के चरित्र पर शंका के कारण उससे पीछा छुड़ाने के उद्धेश्य से दिनांक 22/03/2025 के रात्रि में उसके गले में कपड़े से बांधकर अपने किराये के मकान ग्राम खोरमा में हत्या कर दिया। हत्या करने के बाद अपने भाई राजू चौधरी को फोन कर बोला कि संतोषी बच्चे को छोड़कर कही चली गई है तब राजू अपने मॉ कलेश्वरी के साथ मोटर सायकल से पहुंचा, जहां संतोषी मृत पड़ी थी जिसे पूरे घटनाक्रम के बारे में बताया। प्रमेन्द्र और राजू दोनों मिलकर शव को कंबल में लपेटकर तीनों प्रमेन्द्र के मोटर सायकल में पहले ग्राम केवरा गए जहां कलेश्वरी को बच्चे के साथ उतार दिए और शव छिपाने के लिए ग्राम कपसरा स्थित बंद महान 01 कोयला खदान के पोखरी पानी में डाल दिए और वापस आकर आस पड़ोस के लोगों को संतोषी कही चली गई है झूठी जानकारी दिया। आरोपियों के निशानदेही पर 2 मोटर सायकल और मोबाईल जप्त कर आरोपी (1) प्रमेन्द्र चौधरी पिता लालसाय चौधरी उम्र 22 वर्ष (2) राजू चौधरी पिता लाललाल उम्र 28 वर्ष (3) कलेश्वरी चौधरी पति लालसाय उम्र 43 वर्ष तीनों निवासी ग्राम केवरा, थाना प्रतापपुर को गिरज़्तार किया गया है।कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, डीएसपी रितेश चौधरी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भटगांव सरफराज फिरदौसी, थाना प्रभारी प्रतापपुर लक्ष्मण सिंह धुर्वे, एएसआई बजरंगी चौहान, कुसुमकांता लकड़ा, प्रधान आरक्षक विनोद परीड़ा, महिला प्रधान आरक्षक अरूणा बिसेन, आरक्षक राजेश तिवारी, अवधेश कुशवाहा, दिनेश ठाकुर, रजनीश पटेल, संतोष जायसवाल व राधेश्याम साहू सक्रिय रहे।

संस्थानों में कार्यरत् लोगों का पुलिस वेरिफिकेशन कराने और शहर की यातायात व्यवस्था सुगम बनाने में सहयोग देने की अपील

(ज्यूँ न लिखूँ सच) सूरजपुर। डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने क्षेत्र में शांती एवं सुरक्षा व्यवस्था, असामाजिक तत्वों में पुलिस का खौफ बनाए रखने तथा सुगम यातायात व्यवस्था के लिए पुलिस अधिकारियों को क्षेत्र में सक्रिय मौजूदगी बनाए रखते हुए लगातार पैदल गश्त व पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिए है। जिसके परिपालन में पुलिस के अधिकारी व जवानों को नगर में पैदल पेट्रोलिंग करते देखा गया। रविवार, 30 मार्च 2025 को नगर पुलिस अधीक्षक एस.एस.पैंकरा के नेतृत्व में पुलिस के अधिकारी व जवानों ने सूरजपुर के मनेन्द्रगढ़ रोड़, नवापारा व भैयाथान रोड़ में पैदल पेट्रोलिंग किया। इस दौरान बैंक, एटीएम के सुरक्षा का जायजा लिया गया और व्यापारिक प्रतिष्ठान के संचालकों को हिदायत दी गई कि उनके यहां कार्यरत् कर्मियों की पुलिस वेरिफिकेशन जरूर कराए, प्रतिष्ठान/संस्थान सहित उसके बाहर सीसीटीव्ही कैमरा लगवाये और नगर के यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि दुकानों के सामने सड़क पर वाहनों को खड़ा न होने दे, बेतरतीब वाहन खड़ा करने से आवागमन बाधित होता है साथ ही दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। पुलिस के द्वारा पैदल पेट्रोलिंग के दौरान संदिग्धों पर कड़ी नजर रखी गई। इस दौरान थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे सहित पुलिस के अधिकारी व जवान मौजूद रहे।

डयूटी से घर लौटे लेफ्टिनेंट कर्नल, अचानक घबराहट हुई, अस्पताल ले जाते समय हार्ट अटैक से हो गई मौत

मेरठ के एनएच 34 स्थित सैनी गांव निवासी 38 वर्षीय लेज़्टिनेंट कर्नल अभिनव मलिक ड्यूटी से घर लौटे थे। उन्हें अचानक घबराहट हुई। परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उन्होंने दम तोड़ दिया। वह तेलंगाना में तैनात थे।मेरठ एनएच 34 स्थित सैनी गांव निवासी (38) लेज़्टीनेंट कर्नल अभिनव मलिक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह तेलंगाना के सिकंदराबाद में तैनात थे। सैनी गांव निवासी सेवानिवृज़् कर्नल रणवीर सिंह मलिक के इकलौते पुत्र 38 वर्षीय लेज़्टीनेंट कर्नल अभिनव मलिक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह वर्तमान तेलंगाना राज्य के सिकंदराबाद में तैनात थे। अभिनव मलिक के चचेरे भाई भाजपा नेता मोहित मलिक के मुताबिक रविवार शाम को वह ड्यूटी से अपने रेजिडेंस पर पहुंचे थे।रात में करीब 10.30 बजे उनकी तबियत बिगड़ी। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। रास्ते में ही अभिनव की मौत हो गई। घर पर हार्ट अटैक से मौत होने की सूचना मिली। जिसके बाद पिता रणवीर सिंह मलिक व अन्य लोग तेलंगाना के लिए रवाना हो गए। मौत की जानकारी पर लोग उनके आवास पर पहुंच गए। 12वीं से टेज़्निकल एंट्री से सेना में पहुंचे परिजनों के मुताबिक अभिनव ने साढ़े सत्रह साल की उम्र में 12वीं के बाद सेना में टेज़्निकल एंट्री ली थी। उनकी पढ़ाई सेंट मैरी स्कूल से हुई थी। जिसके बाद वह अब करीब 38 वर्ष की उम्र में लेज़्टिनेंट कर्नल थे। पिता भी कर्नल से हैं सेवानिवृज़् घर में गन्ना विभाग से सेवानिवृज़् 101 वर्षीय दादा गुरु वचन सिंह मालिक हैं। पिता रणवीर सिंह मलिक करीब 10 वर्ष पूर्व कर्नल से सेवानिवृज़् हुए थे। माता राजिंद्री, पत्नी तनु मालिक, 4 साल की बेटी मायरा और एक शादीशुदा बड़ी बहन विभा हैं। अभिनव के माता पिता गंगानगर थाना क्षेत्र के रक्षपुरम में रहते हैं। कल गांव में सैन्य सज़्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार परिजनों के अनुसार अभिनव मलिक का पार्थिव शरीर तेलंगाना से सोमवार देर रात में मेरठ पहुंचेगा। मंगलवार सुबह सैनी गांव के श्मशान पर सैन्य सज़्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।

अज्ञात वाहन ने बाइक में मारी टक्कर, दो युवकों की मौत, एक का शरीर दो भागों में बंटा

अलीगढ़ से एटा बाइक पर जा रहे दो युवकों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर से दोनों युवकों की मौत हो गई। एक युवक के शरीर के ऊपर से किसी बड़े वाहन का पहिया निकल गया, जिससे उसका शरीर दो भागों में विभाजित हो गया।सिकंदराराऊ में एटा हाईवे पर ग्राम टोली के निकट 30 मार्च की रात्रि करीब 9ः30 बजे एटा की तरफ जा रही बाइक को अज्ञात वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में एटा निवासी बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। एक युवक के शरीर के ऊपर से किसी बड़े वाहन का पहिया निकल गया, जिससे उसका शरीर दो भागों में विभाजित हो गया।घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कज़्जे में लेकर रात्रि में ही हाथरस के पोस्टमार्टम गृह पर भेज दिया। रात्रि करीब 9ः30 बजे कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि बाइक सवार दो युवक दुर्घटना में घायल होकर सड़क पर पड़े तड़प रहे हैं। मौके पर जाकर देखा गया तो दोनों की मौत हो चुकी थी। मरने वाले सत्यम (25) पुत्र पंकज सोलंकी निवासी आनंदपुरी और अनिल चौहान (28) पुत्र रक्षपाल चौहान निवासी शांति नगर एटा थे।दोनों युवक मस्कट टोयटा में नौकरी करते थे। कंपनी का काम करके अलीगढ़ से बाइक से एटा लौट रहे थे। तभी गांव टोली के निकट अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सोमवार की सुबह दोनों के परिजन कोतवाली पर आ गए।

शादी के घर में पसरा मातम: बाइक नीचे आने पर पलटी ट्रॉली, एक युवती की मौत; गर्भवती समेत 10 घायल

यूपी के खुर्जा देहात थाना क्षेत्र के नगला शेखू गांव के पास कार की टक्कर लगने के बाद बाइक आगे चल रही ट्रॉली के नीचे घुस गई। इसके बाद ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें ट्रॉली सवार एक युवती की मौत हो गई। साथ ही बाइक सवार युवक व तीन माह की गर्भवती पत्नी और ट्रॉली सवार आठ लोग घायल हो गए। ट्रैज़्टरट्रॉली सवार लोग शादी से पहले भात के लिए न्योता देने अलीगढ़ जा रहे थे।मामा के घर जा रहे थे सलेमपुर चित्सोना निवासी ललित ने बताया कि उसकी 16 अप्रैल को शादी है। इसके चलते शादी की तैयारी चल रही थी। परिवार के लोग सोमवार को भात का न्योता देने के लिए जनपद अलीगढ़ गभाना के पास स्थित मनोहरा गांव में रहने वाले मामा के यहां जा रहे थे। इसके लिए लिए उनकी मां यशोदा, पिता पप्पू, छोटी बहन नीतू (21), बड़ी बहन कोमल और परिवार व पड़ोस की अन्य महिलाएं ट्रैज़्टरट्रॉली में बैठकर रवाना हो गए थे। कार ने मारी बाइक को टक्कर साथ में बाइक पर सवार होकर पीड़ित ललित और उनका दोस्त ललित भी जाने लगे। परिवार के लोग गीत गाते व ढोल बजाते हुए जा रहे थे। जब वह एनएच34 पर खुर्जा के नगला शेखू गांव के पास पहुंचे। तभी पीछे चल रही बाइक अचानक कार की टक्कर से ट्रॉली के नीचे आ गई। इससे ट्रॉली का पहिया अनियंत्रित हो गया। इसमें ट्रॉली पलट गई। इसके बाद ही ट्रॉली में सवार लोगों ने बचाव के लिए शोर मचाना शुरू कर दिया। राहगीरों ने की मदद वहीं राहगीरों ने बाइक सवार दंपती और ट्रॉली सवार लोगों को बचाने में जुट गए। राहगीरों ने पुलिस को फोन कर सूचना दी। तभी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने सभी घायलों को कैलाश अस्पताल में पहुंचाया, जहां पर चिकित्सकों ने नीतू को मृत घोषित कर दिया। घायल पिता पप्पू, मां यशोदा, बहन कोमल और बाइक सवार मोहित व उनकी गर्भवती पत्नी श्वेता को भर्ती कराया। अन्य घायलों को उपचार के बाद घर भेज दिया, जिसमें अनीता, बबीता, सीमा, बबीता, बिरला थीं। तीन माह की गर्भवती है बाइक सवार महिला दशहरी गांव निवासी मोहित ने बताया कि सोमवार को वह बाइक से अपनी पत्नी श्वेता के साथ बुलंदशहर निवासी सास से मिलने गए थे, जिनकी तबीयत खराब चल रही थी। उनकी पत्नी श्वेता तीन माह की गर्भवती भी है। दोपहर एक बजे वह बुलंदशहर से वापस लौट रहे थे। हाइवे पर ट्रैज़्टरट्रॉली सही गति में चल रही थी। उसी के पीछे वह भी चलने लगे। तभी अचानक एक कार ने जोरदार टक्कर मारी। इसमें वह दोनों बाइक समेत ट्रॉली के नीचे घुस गए। इसके बाद तो सीधा अस्पताल में होश आया। मोहित के दाएं हाथ, पैर व कमर में चोट है और श्वेता के पैर, कमर, हाथ में चोट है। चिकित्सक गर्भ को लेकर भी जांच कर रहे हैं। शादी के घर में पसरा मातम सलेमपुर गांव निवासी पप्पू बाजार में फल बेच कर परिवार का पालन पोषण करते हैं। उनका बेटा ललित व राहुल भी अलगअलग ठेली लगाते हैं। 16 अप्रैल को ललित की शादी है, जिसकी तैयारी में परिवार उत्साह के साथ लगा हुआ था। ललित ने बताया कि नीतू अपनी भाभी के आने की खुशी में सबसे ज्यादा उत्सुक थी। ज़्या पता था कि परिवार की खुशी एक झटके में मातम में पसर जाएंगी। परिवार ने पोस्टमार्टम करवाने से किया इनकार हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इसमें सलेमपुर निवासी पीड़ित परिवार ने पोस्टमार्टम जांच और पुलिस कार्रवाई से इनकार कर दिया है। यदि कोई शिकायत देता है तो जरूर कार्रवाई की जाएगी। विकास प्रताप सिंह, सीओ खुर्जा।

- खुर्जा के एनएच 34 पर नगला शेखू गांव के पास हुआ हादसा
- कार की टक्कर लगने के बाद ट्रॉली के नीचे चली गई थी बाइक
- इसमें बाइक सवार दंपति और ट्रॉली सवार आठ लोग घायल हो गए

संक्षिप्त समाचार

मुस्कान की राह पर माया: पत्नी ने दी मेरठ जैसे हत्याकांड की धमकी, वो मुझे काटकर ड्रम में भर देगी

गोंडा में पति का आरोप, पत्नी ने दी है मेरठ जैसे कांड की धमकी

नगर कोतवाली क्षेत्र का मामला, दोनों ने किया था प्रेम विवाह, पत्नी ने आरोपों को नकारा

मेरठ के सौरभ हत्याकांड के बाद जिले के जलनिगम में तैनात अवर अभियंता धर्मेंद्र कुशवाहा व उनकी पत्नी माया मौर्या के बीच विवाद चर्चा में है। धर्मेंद्र कुशवाहा का आरोप है कि पत्नी माया मौर्या ने उन्हें मेरठ कांड की तरह ड्रम में काटकर भरने की धमकी दी। इसके बाद उन्होंने पुलिस अधिकारियों से सुरक्षा की गुहार लगाई। वहीं, माया देवी ने पति का एक युवती के साथ संबंध होने का आरोप लगाते हुए पांच साल की बेटी के साथ नगर कोतवाली पहुंचकर कार्रवाई की मांग की है। साथ ही पति के आरोप को गलत बताया है।लेख पढ़कर हुआ दोनों को प्यारजल निगम में तैनात अवर अभियंता धर्मेंद्र कुशवाहा मूल रूप से बस्ती के रहने वाले हैं। वह 2015 से जिले के जलनिगम में तैनात हैं। वर्ष 2012 में बस्ती की रहने वाली माया देवी ने मैग्जीन में उनका लेख देखकर संपर्क किया। बातचीत के बाद दोनों में दोस्ती हो गई। चार साल दोस्ती के बाद दोनों ने शादी कर ली। दोनों से पांच साल की बेटी है। पत्नी ने रिश्तेदार संग मिलकर पीटा धर्मेंद्र ने बताया कि पत्नी के नाम तीन गाड़ियां खरीदीं। साथ ही अपने नाम नगर कोतवाली क्षेत्र के पथवलिया डिहवा में जमीन खरीदी। घर बनाने के लिए पत्नी के कहने पर उसके दूर के रिश्तेदार को ठेका दिया। आरोप लगाया कि मकान बनवाने के दौरान गत सात जुलाई 2024 की रात पत्नी ने अपने रिश्तेदार के साथ मिलकर मारपीट की। पति लगा रहा बेबुनियाद आरोप जेई ने बताया कि पत्नी माया देवी के खिलाफ पूर्व में मुकदमा दर्ज कराने के साथ ही पत्नी से अलग रहने के लिए कोर्ट में तलाक के लिए अर्जी दी है। वहीं, माया मौर्या का कहना है कि उनकी बेटी शहर के एक निजी विद्यालय में एलकेजी की छात्रा है। जेई पति बेबुनियाद आरोप लगाकर करीब आठ महीने से अलग रह रहे हैं। उनका एक युवती से संबंध है। रिश्तेदार ठेकेदार से उनका लेनदेन का विवाद है। ठेकेदार से खाते में लाखों रुपये मंगवा चुके हैं। मेरठ कांड को आधार बनाकर परेशान कर रहे हैं। न्याय पाने के लिए वह मासूम बेटी के साथ थाने का चक्कर लगा रही हैं।सीसीटीवी कैमरे से आ सामने आ सकती है हकीकत माया मौर्या का कहना है कि उनके घर में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। जिस फुटेज को वायरल किया जा रहा है, वह काफी पुराना है। विवाद के बाद बचाव में पति को वाइपर से मारापीटा। माया ने आरोप लगाया कि वह पिछले कई दिनों से सीसीटीवी फुटेज और पति के आरोपों की जांच की मांग कर रही हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है।माया की मां ने भी की दामाद की तरफदारी मेरठ कांड में जिस तरह मुस्कान की मां ने उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी, उसी तरह माया की मां शोहरती देवी ने भी दामाद की सुरक्षा के लिए अपील की है। वहीं, माया का कहना है कि मां अपने निजी स्वार्थ के लिए अनापशनाप बयान दे रही हैं।फुटेज के आधार पर होगी कार्रवाई दोनों पक्षों से तहरीर मिलने के बाद आरोपों की जांच की जा रही है। पतिपत्नी के बीच आपसी विवाद है। घटना के

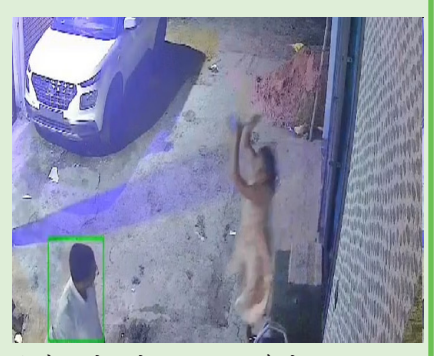

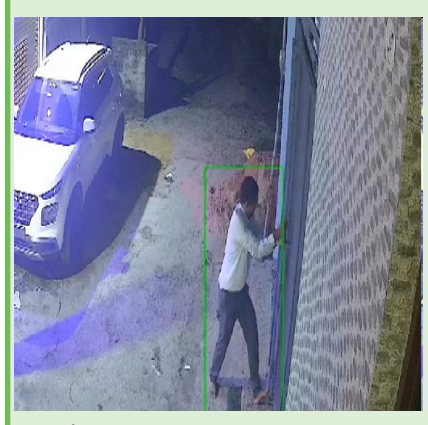

कुदरगढ़ी देवी के दर्शन के लिए दुसरे दिन भी लगा रहा भक्तों का ताता, महोत्सव की तैयारी जोरों पर

ज़्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर चैत्र नवरात्र में मां कुदरगढ़ी देवी के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ दूसरे दिन भी उमड़ती रही। छज़ीसगढ़, मध्य प्रदेश, उज़र प्रदेश सहित कई अन्य प्रदेशों से श्रद्धालु कुदरगढ़ पहुंचे। भक्तों ने मंदिर परिसर में न केवल पूजा अर्चना की, बल्कि मां के प्रति अपनी श्रद्धा का इजहार ने 2 3 और 4 अप्रैल तक भव्य कुदरगढ़ महोत्सव का सहित अंतरराष्ट्रीय कलाकारों द्वारा भक्तिमय प्रस्तुतियां अवसर होगा, जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सजावट, रोशनी और सुरक्षा के सभी इंतजाम किए जा सके। स्थानीय प्रशासन ने भक्तों की सुरक्षा और सुविधा किए हैं। आ सकते है छज़ीसगढ़ के मुखिया छज़ीसगढ़ न्यास ट्रस्ट के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने आमंत्रित अप्रैल को इस महोत्सव में भाग लेने के लिए कुदरगढ़ और भी भव्य हो जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों और के माध्यम से न केवल भक्तों को आध्यात्मिक अनुभव भी एक बेहतरीन प्रदर्शन किया जाएगा। इस आयोजन और सांस्कृतिक विरासत को संजोने का भी है। महोत्सव वाले कुदरगढ़ महोत्सव को लेकर भक्तों में उत्साह देखने 2024 में यह कुदरगढ़ महोत्सव नहीं हो पाया जिसके से इंतजार है। यह त्यौहार कुदरगढ़ को एक बार फिर से ट्रस्ट ने उपलज़्ध कराई सभी सुविधाएं कुदरगढ़ लोक सुविधाएं प्रदान की हैं। ट्रस्ट ने मंदिर परिसर में स्वच्छता कचरा प्रबंधन प्रणाली शामिल है। इसके अतिरिक्त, भक्तों को जगह जगह पर पीने की पानी उपलज़्ध कराई गई हैं साथ ही जगह जगह पर आवयश्कता अनुसार बिजली की व्यवस्था की गई है और सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे सभी प्रमुख स्थानों पर लगाए गए हैं, जिससे भक्तों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।ट्रस्ट ने एक सूचना केंद्र भी स्थापित किया है, जिससे दर्शन करने या मेला घूमते वक्त अपने परिवार से कोई भी सदस्य बिछड़ जाता है तो वह उसे स्थान पर जाकर सूचना दे सकता है जिससे पूरे मेला कैंपस में लगे साउंड के जरिए उस तक मदद पहुंचाई जा सके साथ ही मेला परिसर में प्राथमिक चिकित्सा केंद्र भी उपलज़्ध हैं। इन सभी सुविधाओं के माध्यम से कुदरगढ़ लोक न्यास ट्रस्ट ने भक्तों की आध्यात्मिक यात्रा को और अधिक आनंददायी और सुरक्षित बनाने का प्रयास किया है। इस पूरे कार्य के पीछे ट्रस्ट की लक्ष्य है श्रद्धालुओं को एक सुखद और यादगार अनुभव प्रदान करना।

भी किया, महोत्सव की तैयारी जोरो पर जिला प्रशासन आयोजन करने की योजना बनाई है, जिसमें छज़ीसगढ़ दी जाएँगी। यह महोत्सव भक्तों के लिए एक विशेष नृत्य और संगीत की प्रस्तुति की जाएगी। साथ ही रहे हैं ताकि भक्तों को एक यादगार अनुभव मिल सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी के मुज़्यमंत्री विष्णु देव साय को कुदरगढ़ लोक किया है आस लगाई जा रही है कि मुज़्यमंत्री भी 4 पहुंचने की संभावना है। उनके आगमन से महोत्सव भक्तों में उत्साह और भी बढ़ गया है।इस महोत्सव मिलेगा, बल्कि स्थानीय संस्कृति और परंपराओं का का उद्देश्य कुदरगढ़ क्षेत्र के पर्यटन को बढ़ावा देना का कर रहे इतंजार आगामी 2 3 4 अप्रैल को होने को मिल रहा है, आचार संहिता होने की वजह से वजह से इस बार के महोत्सव का सभी को बेसब्री आकर्षण का केंद्र बनाएगा। कुदरगढ़ लोक न्यास न्यास ट्रस्ट ने भक्तों की सुविधा के लिए कई महत्वपूर्ण को प्राथमिकता दी है, जिसमें नियमित सफाई और

डीएम व एसएसपी ने ईद के अवसर पुलिस प्रशासन के देखरेख में पर पैदल गश्त कर लिया सुरक्षा व ईदगाह महाराजगंज में शान्ति पूर्वक शांति व्यवस्था का जायजा अदा कराई गई ईद की नमाज

(ज़्यूँ न लिखूँ सच)

जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने ईदउलफितर के अवसर पर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जनपद में पैदल गश्त एवं भ्रमण कर ईदगाह व मस्जिदों पर शान्ति एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। पूरे जनपद मे ईद की नमाज सकुशल सज़्पन्न ह ु इ ं । जिलाधिकारी ने बताया कि कानून और शांति व्यवस्था के दृष्टिगत जनपद में विभिन्न स्थानों के लिए मजिस्ट्रेट नामित किए गए थे। उन्होंने बताया कि साफसफाई, प्रकाश व्यवस्था व जलापूर्ति के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए थे। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह सहित अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच ,शैलेंद्र कुमार पांडेय

जनपद बहराइच थाना क्षेत्र हरदी, अंतर्गत जो जोतचांद पारा के कस्बा महाराजगंज की ईदगाह में रमजान के पवित्र महीने के अंत का प्रतीक व भाईचारे को बढ़ावा देने वाला त्यौहार जो 31 मार्च को बड़ी शांति पूर्वक ईदगाह में हजारों की संज़्या में लोग ने नमाज अदा की और अपने पीर पैगंबर से प्रार्थना की सभी लोगों में भाई चारा बना रहे और सभी लोग हंसीखुशी ईद का त्योहार मनाए वहीं पर मौजूद हरदी पुलिस चुस्त दुरुस्त दिखाई दी साथ में तहसील प्रशासन क्षेत्रा अधिकारी महसी उप जिलाधिकारी महसी तहसीलदार महसी क्षेत्रीय लेखपाल के साथ भारी संज़्या में पुलिस बल मौजूद रही ईद की नमाज पढ़कर लोगों ने एक दूसरे के गले मिलकर बधाई दी वह मिठाइयां खिलाया इसी तरीके से लगातार हर वर्ष ईद के त्यौहार मनाया जाता है ईदगाह के मौलाना ने सबको बताया की ईद मुज़्य उद्देश्य बद्र की लड़ाई का बहुत महत्वपूर्ण माना जाता जिसमे पैगंबर मोहज़्मद और उनके अनुयायियों ने विजय प्राप्त किया था इसी खुशी में ईद उल फ़ितर का त्यौहार मनाया जाता मौलाना ने बताया की इसी तरह हर वर्ष हम लोग मिल कर ईद का त्यौहार मनाए

महसी में फिर तेंदुए के कहर से ग्रामीणों में भय का वातावरण

ज़्यूँ न लिखूँ सच ,शैलेंद्र कुमार पांडेय

उज़र प्रदेश जनपद बहराइच के महसी क्षेत्र में अभी कुछ दिन पहले भेड़िया के कहर से जूझ रहे लोगों को निजात मिली ही थी लोगों में खुशी का माहौल था बच्चे स्कूल जा रहे थे किसान अपनेअपने खेतों में जा रहे थे ग्रामीण अमन चयन की नींद सो रहे थे कि अचानक आज दिनांक 31 मार्च को तेंदुए ने एक गोवंश को अपना नेवाला बना डाला जिसकी सूचना आग की तरीके से क्षेत्र में फैल गई सूचना पाते ही लोगों के दिलों में भेड़िए के कहर जैसी घटनाएं याद आने लगी जिससे पूरे क्षेत्र में भय का माहौल देखने को मिल रहा है घटना की सूचना पाते ही मौके पर पहुंचे मीडिया कर्मियों ने पूछताछ किया जिससे जानकारी प्राप्त हुई की ग्राम पंचायत गरेठी गुरुदज़ सिंह का माजरा विष्णु पुरवा में रह रहे विपिन कुमार शुज़्ला पुत्र सहज राम शुज़्ला की दो माह की गोवंश (बछिया) जो रात करीब 2:00 बजे गाय के पास

खूंटे से बंधी हुई थी जो गायब हो गई रस्सी कटी हुई थी वहीं पर पंजों के निशान भी बने हुए थे पंजों के निशान देखकर या अटकलें लगाई जा रही हैं कि शायद या तेंदुआ हो सकता है विपिन कुमार शुज़्ला ने बताया कि अभी चार दिन पहले इसी गांव निवासी राजकुमार शुज़्ला पुत्र बृजमोहन शुज़्ला के वहां भी घटना हुई थी एक गोवंश को गंभीर रूप से जज़्मी कर दिया था लेकिन गांव वालों के शोर शराबा से गोवंश को छोड़कर के जानवर भाग निकला घटना की सूचना पर पहुंची हरदी पुलिस ने लोगों को आश्वासन दिया कि अगर तेंदुआ है तो जल्द ही पकड़ा जाएगा मीडिया कर्मी राजकुमार पाठक ने फोन से प्रभागिये वन अधिकारी अजीत प्रताप सिंह बहराइच से फोन पर संपर्क कर घटना की सूचना दिया तो महोदय जी ने बताया कि हम जिला लेवल की अधिकारी हैं हम जिला देख रहे हैं हमें ज्यादा बात करने का समय नहीं है इतना कह कर फोन कट कर दिया दोबारा फोन पर संपर्क करने पर उन्होंने कहा कि हम ज्यादा बात नहीं करेंगे इतना कह कर फोन कट कर दिया एक तरफ योगी सरकार कह रही है कि हमारे डबल इंजन की सरकार में जनता की सुरक्षा जनता के देखभाल जनता की समस्याओं को समाधान करने के लिए डबल इंजन की सरकार कटिबध है तो दूसरी तरफ भ्रष्ट अधिकारी सरकार को बदनाम करने में लगे हैं ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों पर नकेल कसना बहुत ही जरूरी है एक तरफ समाज में तेंदुए की आने की खबर से अफरा तफरी का माहौल बना हुआ है तो दूसरी तरफ जिले के जिज़्मेदार अधिकारी कह रहे हैं कि हमें बात करने का समय नहीं है हम जिला देखें या आपके गांव में पहरेदारी करें ऐसे अधिकारीयों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए जो सरकार को बदनाम करने का काम करते हैं और सरकार की मनसा पर फेर रहे हैं पानी

मुन्नीलाल प्रजापति मिझोना को सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ का प्रदेशीय सचिव बनने पर हर्ष

ज़्यूँ न लिखूँ सच

कोंच(जालौन) समाजवादी पार्टी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राजपाल कश्पय ने जिले के बुजुर्ग नेता मुन्नी लाल प्रजापति मिझोना को नई जिज़्मेदारी दी गई है उन्हें पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ में प्रदेशीय सचिव पद पर मनोनीत किया है इस मनोनयन को लेकर समाजवादी पार्टी के सीनियर नेता पंडित हरिओम उपाध्याय पूर्व मंत्री/ पूर्व विधायक माधोगढ़ ने अपने विचारों में कहा हैं श्री प्रजापति के प्रदेश सचिव बन जाने पर निश्चित ही जिले में समाजवादी पार्टी मजबूत होगी साथ ही पिछड़े वर्ग से जुड़े लोग भी पार्टी में बड़ी संज़्या में जुड़ेंगे पार्टी नेता प्रतिपाल सिंह गुर्जर बद्दू भैया जिला सचिव राजेंद्र सिंह निरंजन राजू चमरसेना राघवेंद्र सिंह अमखेड़ा हाजी रहम इलाही कुरैशी मल्लू शाह उस्ताद अतीक अहमद शेखू हेमंत धनगर राघवेंद्र सिंह राजपूत ममता कुशवाहा जाहर सिंह कुशवाहा रश्मि पाल डा शिवम् यादव मनीला सिंह रोली सतीश परिहार सामी नवेंदु उपाध्याय राजू महाराज चांदनी लाजी पटेल खेरी आत्म प्रकाश भदोरिया चंद्र पाल सिंह भदेवरा सहित तमाम सपा जनों ने खुशी जताई और विश्वास जताया कि जिले में पार्टी और अधिक मजबूत होकर आगे बढ़ेगी

पुलिस प्रशासन के देखरेख में ईदगाह बजरिया में शान्ति पूर्वक अदा कराई गई ईद की नमाज

ज़्यूँ न लिखूँ सच भूपेन्द्र तिवारी

जनपद बहराइच थाना क्षेत्र हरदी अंतर्गत जो बजरिया की ईदगाह में रमजान के पवित्र महीने के अंत का प्रतीक व भाईचारे को बढ़ावा देने वाला त्यौहार जो 31 मार्च को बड़ी शांति पूर्वक ईदगाह में हजारों की संज़्या में लोग ने नमाज अदा की और अपने पीर पैगंबर से प्रार्थना की सभी लोगों में भाई चारा बना रहे और सभी लोग हंसीखुशी ईद का त्योहार मनाए वहीं पर मौजूद हरदी पुलिस चुस्त दुरुस्त दिखाई दी साथ में तहसील प्रशासन क्षेत्रा अधिकारी महसी उप जिलाधिकारी महसी तहसीलदार महसी क्षेत्रीय लेखपाल के साथ भारी संज़्या में पुलिस बल मौजूद रही ईद की नमाज पढ़कर लोगों ने एक दूसरे के गले मिलकर बधाई दी वह मिठाइयां खिलाया इसी तरीके से लगातार हर वर्ष ईद के त्यौहार मनाया जाता है ईदगाह के मौलाना ने सबको बताया की ईद मुज़्य उद्देश्य बद्र की लड़ाई का बहुत महत्वपूर्ण माना जाता जिसमे पैगंबर मोहज़्मद और उनके अनुयायियों ने विजय प्राप्त किया था इसी खुशी में ईद उल फ़ितर का त्यौहार मनाया जाता मौलाना ने बताया की इसी तरह हर वर्ष हम लोग मिल कर ईद का त्यौहार मनाए

ईद उल फितर पर्व की नमाज को कराया गया सकुशल सम्पन्न

ज़्यूँ न लिखूँ सच भूपेन्द्र तिवारी

दिल्ली जिलाधिकारी महोदय व पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा ईदगाह बहराइच में उपस्थित रहकर ईदउलफितर पर्व की नमाज को सकुशल सज़्पन्न स्थापित कर दी जिलाधिकारी मोनिका रानी व महोदय द्वारा ईद सौहार्दपूर्ण कराने के दृष्टिगत पर्याप्त सुरक्षा प्रबंध चलते जनपद नमाज को कराया गया। ईद

कराया गया व आमजन से संवाद गयीं बधाइयां। बहराइच श्रीमती पुलिस अधीक्षक उलफितर पर्व को वातावरण में सज़्पन्न सज़्पूर्ण जनपद में किये गये हैं, जिसके बहराइच में ईद की सकुशल सज़्पन्न के अवसर पर जिलाधिकारी महोदय व पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा ईदगाह बहराइच, सलारगंज, थाना दरगाह शरीफ में उपस्थित रहकर ईद की नमाज को सकुशल सज़्पन्न कराया गया तथा नमाज उपरान्त आमजन से सीधा संवाद स्थापित करते हुए सभी को ईद की बधाईयां दी गयीं।इस अवसर पर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी व अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा आमजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

श्री 108 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र पहुंचे जिलाधिकारी में पुलिस अधीक्षक राम सेवक गौतम

ज़्यूँ न लिखूँ सच

शामली जलालाबाद आज श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र

जलालाबाद में शामली जनपद के जिला अधिकारी अरविंद कुमार चौहान एवं पुलिस अधीक्षक राम सेवा गौतम ने भगवान पार्श्वनाथ के दर्शन किए जिसमें दिगंबर जैन मंदिर कमेटी के मंत्री सुशील जैन द्वारा जिलाधिकारी पटका वह इस स्मृति चिन्ह देकर सज़्मान भव्य सज़्मान किया गया और जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान ने कहा यह हमारा सौभाग्य है कि हमें श्री पार्श्वनाथ भगवान के दर्शन करने के लिए जलालाबाद के अतिशय क्षेत्र में आए

सरगुजा कमिश्नर नरेन्द्र दुग्गे बने मां बागेश्वरी देवी लोक न्यास ट्रस्ट के आजीवन सदस्य

ज़्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर द्वितीय दिवस सरगुजा कमिश्नर श्री नरेन्द्र दुग्गे ने सूरजपुर जिले में स्थित आस्था के केंद्र मां बागेश्वरी देवी लोक न्यास ट्रस्ट कुदरगढ़ पहुंच कर मां की विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना व आरती कर मां का आशीर्वाद लिया और उसके बाद ट्रस्ट की आजीवन सदस्यता भी ग्रहण कर एक दिवसीय भंडारा देने की घोषणा की। इस अवसर पर अपर कलेज़्टर जगन्नाथ वर्मा, जनपद सीईओ डॉ निपेंद्र सिंह, तहसीलदार उमेश कुशवाहा, सुरेश राय, मुज़्य बैगा पुजारी रामकुमार बंछोर, देवनारायण चेरवा, ट्रस्ट के आजीवन सदस्य ओंकार पांडे, संस्कार अग्रवाल, राम जी साहू, नीरज साहू सहित काफी संज़्या में अधिकारी कर्मचारी वी ट्रस्ट के सदस्य गण उपस्थित रहे।

सेवानिवृज़ होने वाले अधिकारी/कर्मचारी गण को पुलिस अधीक्षक महोदय के द्वारा उपहार भेंट कर दी गई विदाई

ज़्यूँ न लिखूँ सच भूपेन्द्र तिवारी

दिल्ली पुलिसकर्मी पुलिस विभाग में अपनी सज़्पूर्ण सेवाकाल के दौरान पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं लगन से कार्य करते हुए अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत हुए। इस अवसर पर पुलिस लाइन सभागार में पुलिस सेवा से सेवानिवृज़ पर विदाई समारोह

आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक बहराइच महोदय द्वारा पुलिसकर्मियों को फूल माला पहनाकर, शाल उढ़ाकर एवं उपहार स्वरूप उ0नि0 श्री राम रक्षा प्रसाद को श्रीरामचरितमानस, ट्रॉली बैग तथा कुक राजू उर्फ मेराज अहमद को कुरआन मजीद, ट्रॉली बैग भेंट कर विदा किया गया तथा उनके द्वारा किये गये योगदान की सराहना करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र वितरित कर उनके बेहतर स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री रामानन्द कुशवाहा, क्षेत्राधिकारी लाइन श्री राज सिंह, प्रतिसार निरीक्षक श्री भुवनेश्वर सिंह व अन्य अधिकारी/कर्मचारी गण उपस्थित रहे। सेवानिवृज़ अधिकारी/कर्मचारी गण1. उ0नि0 श्री राम रक्षा प्रसाद 2. कुक राजू उर्फ मेराज अहमद

Do try these 5 spicy recipes of buckwheat flour during Navratri fast, everyone will keep licking their fingers

If you are also looking for a good option to eat something during Navratri fast, then you can make not one but five recipes from buckwheat flour. These are very tasty to eat. The special thing is that by eating them, you will feel energetic throughout the day. Your body will never become weak. So let's know about those dishes- Many devotees keep fast for the entire 9 days during Navratri. Special care is taken of food during the fast. You can make many recipes from buckwheat flour. The festival of Navratri holds a lot of significance in Hinduism. During this time people worship Goddess Mother and keep fast. If you do not take care of the right food during the fast, then you have to suffer from fatigue and weakness throughout the day, in such a situation, if you are also thinking of including something healthy in the diet (Navratri Diet), then we are going to tell you about five recipes of buckwheat flour. These give you energy throughout the day and also take care of the taste. Let us know about 5 such dishes that you can easily make during Navratri fast. These are also prepared quickly. Buckwheat flour paratha - People who are fond of eating paratha can try paratha made from buckwheat flour during fasting. To make it, mix rock salt, green chili, coriander leaves and boiled potatoes in the flour and knead the dough. Now apply light ghee on the pan and bake it and serve with curd or green chutney. Keep in mind that knead the dough with potatoes only, your dough can get spoiled if you add water. Buckwheat flour puriKuttu ki puri is a great option for a full meal during fasting. For this, knead the flour by mixing rock salt and boiled potatoes. Then roll it and fry the crispy puris in hot oil. It can be eaten with potato curry or curd. If you want, you can also eat it with coconut coriander mint chutney. It will taste very delicious. Buckwheat flour chilla- If you want to eat something light and healthy, then buckwheat chilla will be best for you. For this, prepare a batter by mixing curd, rock salt and green chillies in the flour. Then apply a little ghee on the pan and make chilla and serve it with chutney. Its taste can double if you eat it with tea. Buckwheat flour dosa- If you like South Indian food, then you can also make buckwheat flour dosa. For this, prepare a thin batter by mixing arbi or potato in the flour and apply a little oil on the pan and make crispy dosa. It can be eaten with mint chutney. Tea also tastes very good with it. Buckwheat flour pakodas - If you are looking for an option with tea, then you can also try buckwheat flour pakodas. To make it, grate potatoes in flour. Then add cumin, salt, coriander powder, chaat masala, chopped green chillies. Now prepare a thick batter. Fry it in oil till it becomes crispy like pakodas. It tastes very delicious with tea. Buckwheat flour idli - If you are looking for a healthy option, then buckwheat flour idli can be an excellent option. Prepare a thick batter by mixing flour in curd. Add grated ginger, chopped green chillies, salt, black pepper powder, spices eaten during fasting and some vegetables in it. Keep it aside for 10 minutes. Now pour the batter in the idli pan and steam it for 10 to 15 minutes. You can eat it with green chutney and tea.

Start your day with 20 Push-Ups daily for a month, 5 amazing changes will be visible from the first week itself

If you start your day with just 20 push-ups every day, then its effect will be visible from the first week itself. Yes, strength and stamina will increase in the body, muscles will be strong, belly fat will be reduced and you will feel more energetic throughout the day. Let us know about its benefits in detail in this article. The habit of doing Push-Ups daily is very beneficial for your health. This exercise also helps in improving your heart health. By doing push-ups daily, muscle strength can be increased. If you want to stay fit and healthy, but do not get time to go to the gym or do heavy exercises, then Push-Ups can be the best exercise for you. By doing only 20 push-ups daily, many big changes start coming in the body. This exercise not only strengthens your body, but also improves stamina, muscles and metabolism. The best thing is that it does not require any expensive tools or much time to do it. If you make a habit of doing 20 push-ups every morning for a month, then you will start seeing 5 amazing changes from the first week itself. Let's know what are those changes that will come in your body. Muscles will get stronger Doing push-ups daily strengthens your muscles, especially the strength of chest, shoulders, back and arms increases. When you do 20 push-ups regularly, the body gradually gets used to becoming more powerful. This also increases your energy and stamina, due to which you will feel more active and energetic throughout the day. Body will get in shape If you want your body to look fit and toned without going to the gym, then push-ups are the best exercise for you. It helps in toning the chest, shoulders, triceps, biceps and core muscles. How does it work? From the first week itself, you will feel tightness in your arms and chest. Gradually your muscles will start emerging and the body will look more attractive. This exercise is very beneficial for those whose arms or chest are becoming loose. Belly fat will be reduced- If your belly is protruding and you want to reduce it, then push-ups can help you in this. It works like a full body workout, which reduces the fat of stomach, shoulders, waist and arms rapidly. How will it help?- Doing push-ups increases the metabolism of the body, due to which fat is burnt rapidly. If it is combined with the right diet and light cardio exercise, then it can prove to be very effective in reducing weight. In a few days, the shape of your body will start looking better. Back will get strengthened- If you often feel back pain or weakness in the body, then doing push-ups can solve this problem. It strengthens your spine and abdominal muscles, which improves the balance of the body and the problem of back pain gradually starts to end. What changes will be seen in the first week? The posture of sitting and standing will start improving. Bad habits of sitting or standing in a bent position will be reduced. The problem of back pain will gradually start to go away. Heart health will improve Push-ups not only strengthen the muscles, but they also keep your heart healthy. When you do push-ups, blood circulation in the body improves, which gives more oxygen to the heart and makes it stronger. Also, it helps in reducing stress and anxiety. Doing push-ups releases endorphin hormone, which keeps you happy and energetic. It helps in fighting mental problems like stress, anxiety and depression. If the day is started with push-ups, then energy remains throughout the day. How to do 20 push-ups daily? If you don't have the habit of doing push-ups, it can be difficult in the beginning, but don't worry, it will get easier as you get used to it. Increase the number gradually: Start with 5-10 push-ups on the first day, then increase it by 1-2 every day. Follow the right technique: While doing push-ups, keep the body straight and bend the arms at a 90 degree angle. Follow the right way of breathing: Inhale while going down and exhale while coming up. Take a break: If you find it difficult to do 20 push-ups straight, do it in 2 sets of 10 each.

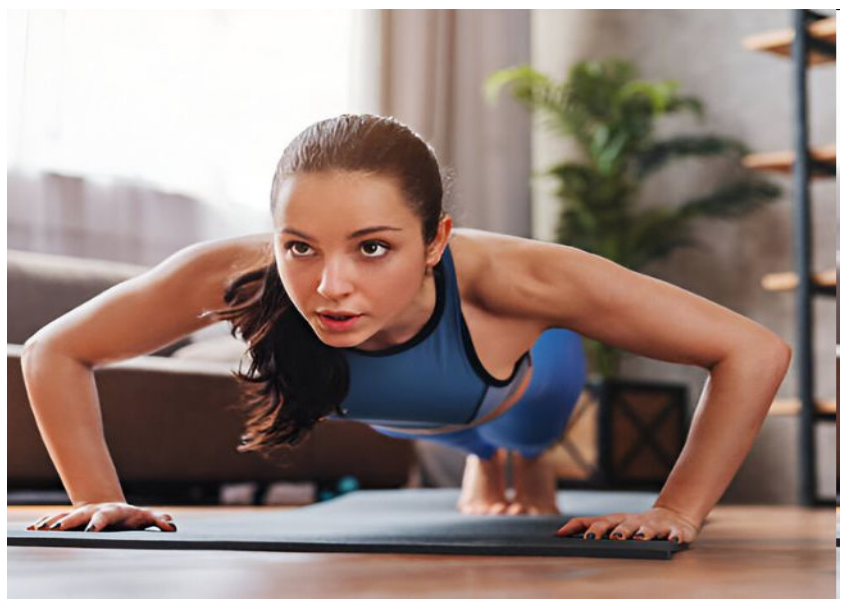

The beginning of Sanskars: On Navsamvatsar, introduce your children to your traditions

How long can you tolerate praising your neighbor for every thing in the family? The same applies to sanskars. Today, on Navsamvatsar, start inculcating Sanatan sanskars in children. The result will be a generation full of self-confidence and a country with a proud forehead. In this article, we will learn about why it is important to do so. Navsamvatsar, that is, the Hindu New Year, is starting today. Tell your children about your culture today. It is very important to tell children about your culture. There is a dialogue in 'The Kerala Story', 'Papa, it is your fault that you told us a lot but never told us anything about what religion is.' The dialogue is definitely filmy, but the depth hidden behind it is no less. It is today's truth that we tell and teach children about foreign traditions and information with great enthusiasm, but when it comes to our own religion, we lag behind. Navsamvatsar, which is starting from today, is the right time to tell the new generation about our traditions. This is the beginning of the Hindu New Year, so why not tell your children about your culture from today! Gratitude towards natureFrom Holi to Deepawali and even in Navratri, gratitude is offered to nature. Tell children about the nature included in your culture. Instill in children the eternal tradition of waking up before sunrise. In Sanatan Dharma, forgiveness is sought even for taking the first step on Mother Earth in the morning - 'Vishnu-patni namastubhyam, pad-sparsham kshamasva me'. Tell them about respecting the earth with gratitude. For this, tell them about the contribution of the sun, earth and trees and plants in our lives. Today, children listen to you only when they understand its logic. Therefore, it is important that you tell them the whole thing, because if your logic matches their thinking, then they easily adopt your values ??in their life. This earth is also for animals. Today, humans have started disrespecting other animals considering themselves all-powerful. Mute animals become the easiest prey of this. Explain to children that this earth is not just for humans, God has not made animals an important part of this earth without any reason. Not only your pets are important, butterflies hovering over flowers, bumblebees, big elephants, sea creatures etc. are also equally important. Humans should not harm animals, this is the reason why in our traditions animals were described as the vehicles and incarnations of gods. The only way to reduce the growing desire for clothes and cosmetics made from the skin of animals is to explain to them that these animals control the food chain on earth and also provide cover to nature, play a role in nutrition and pollination. Worship of power There is no god in our mythology who does not come with power (ability). Therefore, make children aware of the fact that we all are born with some ability or the other. It would be better if they make their body strong, learn to control their mind and also strengthen their emotional capacity. Tell them that 'Kshma Shobhati Us Bhujang Ko, Jis Paas Garal Ho' i.e., forgiveness suits a person who has power and the ability to punish, not a weak person. Family values ??The first lesson of our culture is that we understand the values ??of our family. This is also religion and a positive lifestyle. While referring to the childhood of Lord Shri Ram, it has been explained how he used to respect the elders of his family first - 'Pratkal Uthi Kai Raghunatha. Maatu Pita Guru Nawahi Matha'. To explain all such things, you can take the help of children's stories and books. There are many publishers including GeetaPress-Gorakhpur, who are engaged in transmitting our culture to the new generation. There are many apps like Sutradhar which can become a school of values ??for children glued to the screen of the smartphone. The special thing is that there is no language restriction here. Our culture is so powerful that no matter what the language is, when children become aware of their culture.

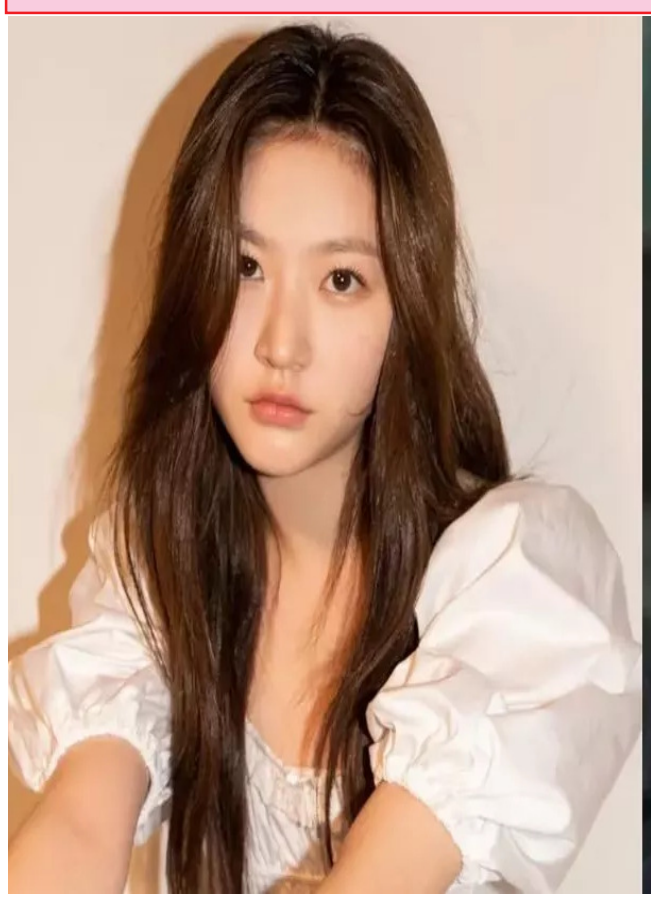

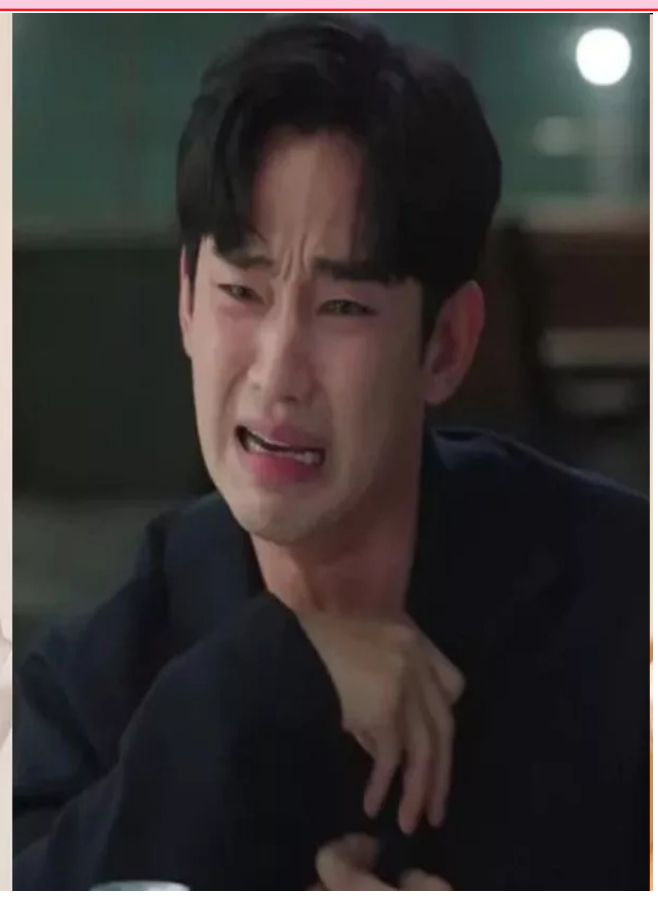

Kim Soo-Hyun was in a relationship with Kim Sae-Ron, will the actor make new revelations several months after his death?

After the death of Korean actress Kim Sae-Ron, Kim Soo-Hyun was accused of dating the actress. The late actress's family accused Kim Soo Hyun of dating the actress when she was a minor. But the actor's team denied these allegations. Now after facing many months of trolling, the actor is going to present his side. Kim Sae-Ron died on February 16 So Hyun was accused of dating the actress Now amid the controversy, the actor will make new revelations in the case There has been a lot of controversy in the South Korean industry for some time now. Kim Sae-Ron's suicide brought many secrets of the famous industry to the whole world. If anyone has suffered the most in this case, then it is Kim Soo-Hyun. After the death of the actress, people trolled the actor a lot. However, Kim Soo-hyun's agency also rejected the allegations but by then a lot of damage had been done. He lost one million followers from Instagram, he was attacked online and companies like Prada also ended their deal with him. Now after this matter has escalated a lot, he has decided to talk openly about it. Today the actor will present his side on the matter On Sunday night, the actor's agency (Goldmedalist) had announced that the actor will talk about this entire controversy. Kim is also going to present his side on his relationship with the late actress Se-ron in a press conference at Stanford Hotel (Seoul). This event is going to happen at 4:30 pm today. Everyone's eyes are fixed on this conference. Everyone wants to know what new revelations are going to be made on this matter. The body of the actress was found on February 16 Let us tell you that the actress was found dead at her house on February 16. She was away from the acting world for some time, as a drunk and drive case was registered against her in the year 2022. After the initial investigation of the case, the police had told the reason for the death of the actress as suicide. It was being said that Kim had a huge debt and she was not getting work either. Gold Medalist Agency had given some money to Kim Sae-ron during the DUI controversy of the year 2022. Due to this controversy, the actress had to face a lot of backlash, after which she stopped getting work. Prada company broke the deal with the actor - Some time ago there was news that many big companies had ended their deal with Kim, including Prada's name. The actor was earlier the ambassador of luxury brand Prada company. But some time ago this company ended all kinds of deals related to him. After the investigation, Prada company issued a statement saying, 'We want to tell you that after considering the seriousness of the issue, we are breaking our contract with Kim Soo Hyun. This decision has come directly from the headquarters.' Now it remains to be seen what new information the actor shares on the matter today.

Husband cheated, yet the TV actress kept saving the marriage for two years, said on divorce- 'Felt heartbreak'

The famous TV actress has made a big revelation in her recent interview. Years after separating from the TV actor, the actress has told that she was cheated by her husband. Despite cheating, she forgave her husband to save the marriage, yet her husband left her. The actress has expressed her pain. The actress had separated from her husband three years ago. The husband had an extra marital affair with a Bengali actress - The actress tried to save the marriage for two years. Entertainment Desk, New Delhi. Everything can be tolerated in a relationship but not cheating. The marriage of many star couples has broken only because of cheating. An actress is also included in this. She had even forgiven her husband for cheating but still could not save the marriage. This actress is Barkha Bisht who married actor Indraneil Sengupta in the year 2008. After three years of marriage, they became parents of a daughter and were enjoying their married life. But after 14 years of marriage, both of them separated in 2022. Indranil cheated Barkha - Now three years after the divorce, Barkha Bisht has made a big revelation. She has accused her husband Indranil Sengupta of cheating. In a conversation with Siddharth Kannan, the 'Dolly Sajake' actress said, "Getting out of the marriage is a choice and it was Indranil's own decision to get out of the marriage." Barkha Bisht further said, "He decided to get out of the marriage for reasons known only to him. If it was in my hands, I would still be married. Our marriage was good. For four years, I constantly felt that I wish I had been less in everything. Maybe things could have been better." Pain spilled over Indranil's infidelity - Barkha Bisht accused her husband of cheating and said, "Infidelity, cheating, falling out of love, all these things happen. It is a choice. Cheating and infidelity is a choice that you make. The other option is what you do after that. I was one of those women who used to say that if I was cheated on, I would get out of the marriage, but when it actually happens to you, you realize that it is easier said than done Barkha was trying to save her marriage - Indranil Sengupta's name was linked with Bengali actress Isha Saha. Despite knowing about the betrayal, Barkha worked hard for two years to save her marriage. Regarding this, the actress said, "I have no shame in saying that I would have forgiven Indranil and I also tried to save my marriage for two years after that. His answer was not satisfactory." Heart was broken after separation Barkha Bisht further said, "Indranil Sengupta has chosen an option. Maybe now he can justify it. He can give you a hundred reasons why this marriage broke, but his action has nothing to do with me. He will have to justify that thing." Barkha does not trust love and marriage- The actress further said, "I have felt the pain of heartbreak. It is like physical pain. This is the experience I have gone through. At that time my faith in humanity was broken, not my faith in marriage or love and it is still broken somewhere. The worst thing that can happen to a woman is that you break her trust because she cannot tolerate betrayal."

In this trending world of OTT, do you remember India's first web series? Know the name and starcast

Netflix Amazon Prime Zee5 Hotstar Sony Liv... and there are so many OTT platforms where content from all over the world is available today. When these platforms came, they brought with them a new format of entertainment. But in this crowd these platforms but somewhere else. Let us tell you not streamed on OTT - people liked the story At this Everyone just talks about web shows. Every day dozens country to abroad. But have you ever wondered which in it and on which platform would that show have been questions, then this article is for you. Today we are going first web series streamed? Web series like 'Panchayat' have got special recognition not only in the country but among the people as India's first web series. But you released on any OTT platform. This show came on Roommates'. Many stars including Sumit Vyas and Nidhi This is the reason why this series also became very first web series 'Permanent Roommates' was released

you forgot that India's first web series was not released on about India's first web show... India's first web series was time, the name of OTT web series is on everyone's tongue. of shows are released on OTT platforms which trend from would be India's first web series? Who would have worked streamed? If you want to know the answers to these to tell you about Bharti's first web series. Where was the and 'Mirzapur' are discussed everywhere today. Such shows also abroad. These were the shows that created a lot of buzz will be surprised to know that India's first show was not YouTube, named TVF i.e. The Viral Fever's 'Permanent Singh appeared in this series and people also liked them. popular. The show ran for not one but three seasons - India's in the year 2014. After the first season became a hit, its second season came in the year 2016 and it was also liked by the people. After this, the fans had to wait a little longer for the third season. This season was streamed in 2023 after 7 years. The series got a lot of love from the audience. Even today people watch the series on YouTube with great interest. What was the story of Permanent Roommates? Let us tell you that 'Permanent Roommates' shows the long distance relationship of a couple. After some time Sumit Vyas, who is playing the character of Mukesh, comes to India to meet his girlfriend Nidhi i.e. Tanya and starts living in it. After this, different challenges come between them and these challenges have been shown in this series.